श्रावण शुक्ल पक्ष-4, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 49 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
08 अगस्त 2024
गुरुवार

आज का मौसम
31 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

अगर हाथों से उम्मीदों का शीशा छूट जाता है तो पलभर में ही ख्वाबों से पीछा छूट जाता है। कुमार विश्वास

खुद से हारी विनेश, कुश्ती को कहा अलविदा...

नई दिल्ली , एजेंसी।

जब उम्मीदें ध्वस्त होती हैं तो मन टूटने लगता है और कुछ ऐसा होता है जैसा भारतीय रेसलर विनेश फोगाट के साथ हुआ है। कल पेरिस ओलंपिक के फाइनल से पहले अयोग्य हो जाने के बाद विनेश ने आज सुबह पूरे देश को हतप्रभ करने वाला फैसला किया और रेसलिंग से सन्यास ले लिया। इस फैसले की जबर्दस्त गूंज हैं। फोगाट ने आज गुरुवार सुबह 5.17 बजे ङ्क पर एक पोस्ट में लिखा- 'मां कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई। माफ करना आपका सपना, मेरी हिम्मत सब टूट चुके। इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। अलविदा कुश्ती 2001-2024, आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी, माफी।'

हालांकि विनेश के फैसले को उनके चाचा व पूर्व रेसलर महावीर फोगाट ने निराशा से उपजा फैसला करार दिया है और कहा है कि जब वह पेरिस से वापस आएगी तो उसे फैसला बदलने के लिये समझाएंगे। वहीं हरियाणा सरकार ने घोषणा की है कि राज्य सरकार विनेश को ओलिंपिक सिल्वर मेडल जीतने वाले खिला?ी की तरह ही सम्मान-इनाम देगी। विनेश ने संन्यास के ऐलान से पहले बुधवार रात अपने डिस्क्वालिफिकेशन के खिलाफ अपील दायर की है। उन्होंने कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स से मांग की कि उन्हें संयुक्त रूप से सिल्वर मेडल दिया जाए। विनेश ने पहले फाइनल खेलने की मांग भी की थी। फिर उन्होंने अपील बदली और अब संयुक्त रूप से सिल्वर दिए जाने की मांग की।

तडके 5 बजे सन्यास के ऐलान से देश हतप्रभ, कहा-कुश्ती मुझसे जीत गई, मैं हार गई

ऐसे चला घटनाक्रम

कल 7 अगस्त को विनेश का वजन उनकी तय कैटेगरी 50किलो से 100 ग्राम ज्यादा निकला। इसके बाद ओलिंपिक एसोसिएशन ने उन्हें फ्रीस्टाइल महिला कुश्ती के लिए अयोग्य घोषित कर दिया। जबकि वह 6 अगस्त को तीन मुकाबले जीतने के बाद फाइनल में पहुंची थी। वह फाइनल मे पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बन गई थी ओलिंपिक से बाहर होने के बाद विनेश की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। कोच वीरेंद्र दाहिया उनसे मिलने पहुंचे तब विनेश ने उनसे कहा- 'किस्मत खराब थी कि हम मेडल से चूक गए, लेकिन यह खेल का हिस्सा है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन की अध्यक्ष पीटी उषा से कहा था कि वे रेसलर की मदद के तरीके तलाशें।

'सिस्टम से लड़ते-लड़ते थक गई लड़की' *अभी उम्मीद बाकी*

- भारतीय रेसलर विनेश फोगाट ने कुश्ती से संन्यास का ऐलान सभी को चौंका रहा है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी इस पर प्रतिक्रिया में सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि 'इस सिस्टम से पक गई है ये लड़की, लड़ते-लड़ते थक गई है ये लड़की'
- वहीं विनेश के ताऊ महावीर फोगाट ने कहा कि जब भी विनेश आएगी तो उसे समझाएंगे कि अभी और खेलना है और वह अपने संन्यास का फैसला बदल ले। हम उससे दिल छोटा नहीं करने और अभी से 2028 ओलंपिक की तैयारी में जुटने को कहेंगे। मैं बजरंग पूनिया और हम सभी मिलकर उसे समझाएंगे।
- ओलंपिक मेडल विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा कि 'विनेश आप हारी नही है, आपको हराया गया हैं, हमारे लिए सदैव आप विजेता ही रहेगी आप भारत की बेटी के साथ साथ भारत का अभिमान भी हो।'
- रियो ओलंपिक 2016 में भारत को ब्रॉन्ज मेडल जीताने वाली साक्षी ने विनेश के समर्थन में कहा कि विनेश तुम नहीं हारी हो, हर वो बेटी हारी है, जिके लिए तुम लड़ी और जीती. ये पूरे देश की हार है. देश तुम्हारे साथ है. खिलाड़ी के तौर पर उनके संघर्ष और जज्बे को सलाम।

विनेश पर संसद में हंगामा, वाकआउट

नई दिल्ली । विनेश फोगाट की अयोग्यता मामले पर विपक्षी सदस्यों ने राज्यसभा में हंगामा किया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सौ ग्राम वजन अधिक हो गया, इसके पीछे कौन है, चर्चा होनी चाहिए। जब सभापति धनखड़ ने कहा कि कुछ भी रिकॉर्ड में नहीं जाएगा तो डेरेक ओब्रायन और अन्य सदस्य हंगामा करने लगे। सभापति ने डेरेक को चेतावनी देते हुए कहा कि इस तरह के बर्ताव की निंदा करता हूं। अगली बार ऐसा किया तो दरवाजा दिखा दूंगा। इसके बाद विपक्ष ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

मीराबाई ने कहा-मैडल नहीं दे पाई, माफ करें

पेरिस। ओलंपिक में भारतीय वेटलिफ्टर मीराबाई से लगाई उम्मीदें टूटने के बाद उन्होंने भी इसकी कुछ वजहें साफ करने की कोशिश की है।

दरअसल आज मीरा का 30वां जन्मदिन भी है। लिहाजा उनके पास इतिहास रचने का मौका था। लेकिन इवेंट खत्म होने के बाद मीराबाई ने बताया कि उनके पीरियड का तीसरा दिन था, ऐसे में यह काफी मुश्किल था। मीराबाई ने कहा- आज के परफॉरमेंस से बहुत खुश हूं, सभी लोग जानते हैं कि मैंने काफी इंजरी फेस की है, रियो में मेरे हाथ से मेडल मिस हो गया था। ऐसा हर खिलाड़ी के साथ होता है। ज्ञात हो कि पेरिस ओलंपिक में 7 अगस्त को वेटलिफ्टिंग में मीराबाई चानू से मेडल की उम्मीद थी, लेकिन वह भी कोई धमाल नहीं कर सकी और मेडल से चूक गईं। मीराबाई क्लीन एंड जर्क के अपने आखिरी प्रयास में 114 किग्रा वजन नहीं उठा सकीं मीराबाई ने पेरिस ओलंपिक की परफॉरमेंस पर कहा- आज मेरी किस्मत भी खराब थी और फीमेल की प्रॉब्लम (पीरियड) भी था।

घुसपैठ की कोशिश नाकाम, बांग्लादेश में आज नई सरकार

नई दिल्ली । भारत-बांग्लादेश सीमा से करीब पांच सौ बांग्लादेशिटों की घुसपैठ की कोशिश को बीएसएफ जवानों ने जलपाईगुड़ी के पास नाकाम कर दिया।

जानकारी के मुताबिक ये लोग बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों के हमलों के डर से इकट्ठा हुए थे। बीएसएफ और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने इन लोगों से बात की, जिसके बाद ये सभी लौट गए। बांग्लादेश से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर इस वक्त हाई अलर्ट है। दूसरी तरफ, बांग्लादेश में शेख हसीना के इस्तीफे के बाद आज अंतरिम सरकार का गठन होगा। 15 सदस्यीय इस सरकार का नेतृत्व नोबेल प्राइज विजेता मुहम्मद यूनुस करेंगे। रात 8.30 बजे सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा। यूनुस दोपहर तीन बजे के आसपास पेरिस से बांग्लादेश पहुंचेंगे। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, शपथ समारोह में करीब 400 लोग शामिल होंगे।

आधार कार्ड में जन्मतिथि नाम बदलवाना आसान नही

कानपुर । अब आधार कार्ड में जन्मतिथि और नाम बदलवाना आसान नहीं रहा। यूनीक आईडेंटिटीफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) के बदले नियमों से आवेदक परेशान हैं। जन्मतिथि में संशोधन के लिए जन्म प्रमाणपत्र और हाईस्कूल की मार्कशीट को आवश्यक कर दिया गया है। वहीं, पूरा नाम बदलने पर भारत सरकार की गजट प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है। 60 फीसदी संशोधन इन्हीं के हैं। अभी तक प्रधान, विधायक या किसी पीसीएस अधिकारी से प्रमाणित किए हुए पत्र के माध्यम से बदलाव हो जाता था।

संसद में हंगामा, वक्फ विधेयक का विरोध करने लामबंद हुआ विपक्ष

नई दिल्ली , एजेंसी।

केंद्र सरकार आज मुस्लिम वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन का विधेयक संसद में पेश कर दिया है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू इसे लोकसभा में पेश किया। विपक्ष का रुख देखते हुए इस मुद्दे पर भारी हंगामा होने के आसार हैं। इस बीच, कांग्रेस ने संशोधन विधेयक का विरोध करने का फैसला किया है। कांग्रेस ने सरकार से यह गारंटी मांगी है कि बिल पास होने के बाद वक्फ बोर्ड की जमीनें बेची नहीं जाएंगी। इसी तरह समाजवार्टी भी विरोध करेगी। आरोप है कि सरकार वक्फ बोर्डों की संपत्ति हड़पने के लिए ऐसा कर रही है। शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का कहना है कि बिल पहले सेलेक्ट कमेटी को भेजा जाना चाहिए। सरकार में सहयोगी जदयू और टीडीपी को इस पर अपना रुख साफ करना चाहिए। वक्फ बोर्ड की जमीनें, डिफेंस लैंड, रेल लैंड, नजूल लैंड के बाद 'भाजपाइयों के लाभार्थ योजना' की श्रृंखला की एक और कड़ी मात्र हैं। भाजपा क्यों नहीं खुलकर लिख देती 'भाजपाई-हित में जारी'। भाजपा रियल स्टेट कंपनी की तरह काम कर रही है। वहीं, भाजपा का कहना है कि वक्फ बोर्ड कानून में कई विसंगतियां हैं। जिनकी संपत्ति ली जा रही है, उनको उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है। इसको लेकर कई शिकायतें मिली हैं। यही कारण है कि सरकार संशोधन करने जा रही है।

प्याज के दामों पर हंगामा: संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्षी सांसदों ने प्याज के दामों को लेकर विरोध किया। विरोध जताने के लिए सांसदों ने प्याज की माला पहनी और 'प्याज का दाम कम करो...' का नारा लगाया।

बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन

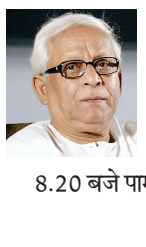

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के 34 साल के वाममोर्चा शासन के दूसरे और आखिरी मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का आज सुबह निधन हो गया। वे 80 वर्ष के थे। बुद्धदेव 2000 से 2011 तक लगातार 11 साल तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। बुद्धदेव की निधन की खबर उनके बेटे सुचेतन भट्टाचार्य ने दी। बंगाल में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर शोक जताया। जानकारी के मुताबिक, बुद्धदेव ने सुबह नाश्ता भी किया था। इसके बाद वे अस्वस्थ हुए। सुबह करीब 8.20 बजे पाम एवेन्यू स्थित घर पर ही उन्होंने देह त्याग दिया। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि बुधवार शाम से ही उनकी तबीयत ठीक नहीं थी।

आर्थिक मोर्चा संभालने के लिए फिर रेपो रेट जस का तस

नई दिल्ली , एजेंसी।

भारतीय रिजर्व बैंक ने लगातार 9वीं बार ब्याज दरों में बदलाव नहीं करने का फैसला किया है। ब्याज दरों को 6.5 प्रतिशत पर जस का तस रखा गया है। इसके अर्थ यह भी है कि बैंक लोन महंगे नहीं होंगे और लोगों की ईएमआई नहीं बढ़ेगी। बैंक ने आखिरी बार फरवरी 23 में दरें 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत की थीं। आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की तीन दिनी मीटिंग में लिए गए फैसलों की जानकारी आज बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने दी। कमेटी में छह सदस्य हैं। इसमें बाहरी और आरबीआई अधिकारी दोनों हैं। गवर्नर दास के साथ आरबीआई अधिकारी राजीव रंजन, कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यरत हैं और माइकल देबब्रत पात्रा, डिप्टी गवर्नर हैं। शशांक भिड़े, आशिमा गोयल और जयंत आर वर्मा बाहरी सदस्य हैं।

महंगाई से लड़ने का शक्तिशाली टूल है रेपो रेट: दरअसल आरबीआई के पास रेपो रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है तो, बैंक रेपो रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है। इसी तरह जब इकोनॉमी बुरे दौर से गुजरती है तो रिकवरी के लिए मनी फ्लो बढ़ाने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में आरबीआई रेपो रेट कम कर देता है। इससे बैंकों को मिलने वाला कर्ज सस्ता हो जाता है और ग्राहकों को भी सस्ती दर पर लोन मिलता है।

रिजर्व बैंक ने लगातार 9वी बार ब्याज दरों को नहीं छेडा

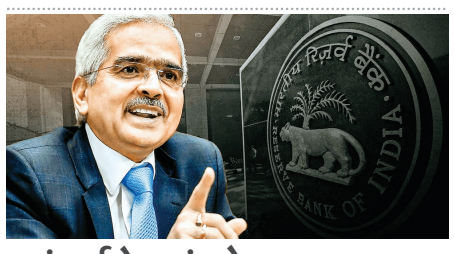

महंगाई के आंकड़े

1. जून में रिटेल महंगाई 5.08 प्रतिशत: जून में रिटेल महंगाई बढ़कर 5.08प्रतिशत पर पहुंच गई थी। यह महंगाई का 4 महीने का उच्चतम स्तर था। अप्रैल में महंगाई 4.85प्रतिशत रही थी। वहीं मई में महंगाई 4.75प्रतिशत रही थी। आरबीआई की महंगाई को लेकर रेंज 2प्रतिशत-6प्रतिशत है।

2. जून में थोक महंगाई 3.36प्रतिशत: इसी तरह जून में थोक महंगाई 16 महीनों के ऊपरी स्तर पर थी। 15 जुलाई को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, जून में थोक महंगाई बढ़कर 3.36प्रतिशत रही। फरवरी 23 में थोक महंगाई दर 3.85त्न रही थी। खाद्य महंगाई मई के मुकाबले 7.40 प्रतिशत से बढ़कर 8.68त्न हो गई।

शेयर बाजार धड़ाम: आज जैसे ही लगातार 9वीं बार रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने रेपो रेट यथावत रखने का फैसला किया, बाजार की गिरावट बढ़ने लगी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 500 अंक, तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 150 अंक फिसल गया। सेंसेक्स ने गिरावट के साथ 79,420.49 के लेवल पर कारोबार शुरू किया था और रिजर्व बैंक ऐलान के बाद ये 509.69 अंक गिर गया।

मेट्रो एंकर | बेंगलुरू में उद्योगपतियों के बीच मुख्यमंत्री यादव

स्पेस-आईटी क्षेत्र में निवेश के लिए ताकत लगा रही सरकार

भोपाल/ बेंगलुरू, दोपहर मेट्रो।

आज मुख्यमंत्री मोहन यादव कर्नाटक में उद्योगपतियों को मप्र में निवेश के लिये आमंत्रण दे रहे हैं। हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड को प्रदेश में ब्रांच खोलने का आमंत्रण देने के बाद आज यादव सिलिकॉन वैली बेंगलुरू में उद्योगपतियों के साथ संवाद कर रहे हैं। इस दौरान एमओयू भी किए जाएंगे। सीएम प्रदेश में निवेश, नवाचार और विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता और नवाचारों की जानकारी के साथ उद्योगपतियों से रूबरू हों रहे हैं। सरकार का पूरा फोकस सूचना प्रौद्योगिकी सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाएं (आईटीईएस), इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एवं विनिर्माण,, टेक्सटाइल एवं गारमेंट, एयरोस्पेस एवं डिफेंस, ऑटोमोबाइल एवं ओईएम, फॉर्मास्यूटिकल्स, हेल्थकेयर और मेडिकल डिवाइस क्षेत्रों पर है। कर्नाटक का सीएम का यह दौरा इन्ही क्षेत्र में काम करने वाले उद्योपतियों के समक्ष मप्र की ब्रांडिंग का है।

एडवांटेज मप्र: मुख्यमंत्री की मौजूदगी में उद्योगपतियों के समक्ष एक वीडियो फिल्म एडवांटेज मध्यप्रदेश दिखाई जाएगी जो उद्योगपतियों को राज्य में लाभ और निवेश के अवसर की जानकारी देती है। मुख्यमंत्री वन टू वन मीटिंग एवं वैश्विक क्षमता केंद्रों, आईटी और परिधान क्षेत्रों के साथ राउंड टेबल मीटिंग में उद्योगपतियों के साथ नवाचार, निवेश और विकास पर संवाद करेंगे।

वन-टू-वन मीटिंग

इससे पहले आज मुख्यमंत्री डॉ. यादव उद्योगपतियों से वन टू वन मीटिंग शुरू की। इसके बाद आईटी एवं आईटीईएस सेक्टर के उद्योगपतियों और टेक्सटाइल क्षेत्र के उद्योगपतियों के साथ राउंड टेबल मीटिंग होगी। ज्ञात हो कि कल शाम मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बेंगलुरू पहुंचकर भी एक राउंड टेबल मीटिंग की और नेटवर्किंग डिनर पर भी उद्योगपतियों से निवेश को लेकर संवाद किया।

आज का कार्टून

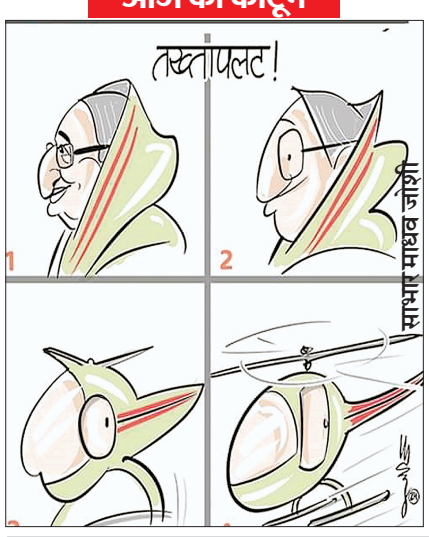

बीयू: प्रथम और द्वितीय वर्ष के परीक्षा परिणाम अटके, छात्र अब तक प्रमोट भी नहीं हो सके

विद्यार्थियों की पढ़ाई पर हो रहा असर, कॉलेजों में उपस्थिति हो रही कम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) द्वारा परीक्षा परिणामों में लेटलतीफी के चलते विद्यार्थी परेशान हो रहे हैं विवि द्वारा अब प्रथम और द्वितीय वर्ष के परीक्षा परिणाम जारी नहीं किए गए हैं। नतीजन विद्यार्थियों को अगली कक्षाओं में छात्रों को प्रमोट करने में कॉलेजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके बड़ा प्रभाव यह भी है कि कॉलेजों में कक्षाओं में भी विद्यार्थियों की उपस्थिति घट गई है। जानकारों के अनुसार, 20 से 30 फीसदी विद्यार्थी ही कक्षाओं में पहुंच रहे हैं। विद्यार्थियों का कहना है कि जब रिजल्ट ही घोषित नहीं हुआ है तो वे प्रोविजनली आकर भी क्या करेंगे। वहीं दूसरी ओर चतुर्थ वर्ष की तो अब तक पढ़ाई ही शुरू नहीं हो सकी है। इसका केवल बीकॉम तृतीय वर्ष एनईपी का ही रिजल्ट घोषित किया गया है। छात्र अब तक प्रमोट भी नहीं हो सके हैं। गौरतलब है कि अगस्त का दूसरा सप्ताह शुरू हो गया है और अब तक विधिवत पढ़ाई भी शुरू नहीं हो सकी है। कॉलेजों में भी छात्र परीक्षा परिणाम को लेकर पूछताछ कर रहे हैं। प्रोफेसर्स ने बताया कि विवि द्वारा यही कहा जा रहा है कि परीक्षा परिणाम जल्द घोषित किया जाएगा।

इधर 15 दिन की बढ़ोत्तरी

अब उच्च शिक्षा विभाग ने यूजी सेकंड, थर्ड और फोर्थ ईयर व पीजी थर्ड सेमेस्टर में प्रवेश नवीनीकरण के लिए प्रमोट करने और लिंक इनिशिएट करने के लिए 15 दिन की बढ़ोतरी कर दी है। जब तक लिंक इनिशिएट नहीं होगा, तब तक उन्हें अगली कक्षा में प्रमोट नहीं किया जा सकेगा।

नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के आवेदन 16 सितंबर तक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के रातीबढ़ स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा छठवीं में प्रवेश के लिए परीक्षा-2025 के आवेदन ऑनलाईन शुरू हो गए हैं। वे ही छात्र-छात्राएं आवेदन के पात्र हैं जो शासकीय, अशासकीय, ई.जी.एस. के कक्षा पांचवीं में अध्ययनरत् हैं, तथा जिनका जन्म 01 मई 2013 से 31 जुलाई 2015 के मध्य हुआ हो। आवेदक ने कक्षा तीसरी, चौथी, पांचवी में लगातार प्रत्येक पूर्ण सत्र में अध्ययन किया हो तथा एक ही कक्षा में पुनरावृत्ति न की हो।विद्यालय में छात्र, छात्राओं को शिक्षा, आवास, भोजन, यूनिफार्म, पाठ्य-पुस्तकें एवं दैनिक उपयोग की वस्तुएं निशुल्क प्रदान की जाती हैं। इसके अतिरिक्त नवीन शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत छात्र, छात्राओं को कम्प्यूटर, इंटरनेट, स्मार्ट क्लास की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। चयन परीक्षा 18 जनवरी 2025, शनिवार को आयोजित होगी। चयन परीक्षा के आवेदन केवल ऑनलाइन भरे जाएंगे, केवल वेबसाइट से आवेदन फार्म भरे जा सकते हैं।

मदरसा बोर्ड: ऑनलाइन आवेदन में त्रुटि सुधार की अंतिम तिथि 10 तक

भोपाल। म.प्र. मदरसा बोर्ड की हाई स्कूल एवं हायर सेकण्डरी उर्दू माध्यम परीक्षा सत्र 2024 के लिए परीक्षा आवेदन पत्र अधिकृत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से ऑनलाइन भरे जाने की दिनांक पूर्व में 25 जुलाई तक निर्धारित की गई थी। उक्त तिथि को बढ़ाकर 10 अगस्त 2024 बिना विलम्ब शुल्क के की गई है। ऑनलाइन आवेदन में त्रुटि सुधार 10 अगस्त तक तथा भरे गए आवेदन पत्र डाक द्वारा कार्यालय मदरसा बोर्ड में प्राप्त होने की अंतिम तिथि 16 अगस्त निर्धारित की गई है।

अब इंजीनियरों से सड़क दुरुस्त होने का प्रमाणपत्र लेने की कवायद

सड़कों की खस्ताहालत पर खस्ता तर्क लोनिवि का गड्ढा भरने अभियान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी समेत हर इलाके में बेहतर सड़कों का दावा कर रहे लोक निर्माण विभाग की कलई बुरी तरह खुल गई है। बारिश के दो बड़े दौर से उसकी सड़के उधड गई हैं, या बहने लगी हैं। आलम यह है कि राजधानी के सभी प्रमुख मार्ग बदहाल नजर आ रहे हैं, यह वे मार्ग हैं जो बार बार बनाए जाते हैं और जिस पर वीवीआईपी चलते हैं। अब लोनिवि ने दावा किया है कि सडक सुधार व गढ्ढे भरने का अभियान शुरू किया गया हैं और जल्द ही सड़के ठीक हो जाएंगी। अफसरों ने मीडिया के सामने आकर यह बात कही और विभाग के पक्ष में कई तर्क भी दिये, लेकिन सड़कों की खस्ताहालत के आगे तर्क बेदम नजर आये।

दरअसल, लोक निर्माण विभाग मंत्री ने लोकपथ ऐप से सात दिन में सड़कों की मरम्मत और क्वालिटी मेंटेन रखने का दावा किया था। इस एप का पिछले महीने लोकार्पण हुआ है। मगर अब सड़कों के कारण हो रही किरकिरी को देखते हुए मंत्री और प्रमुख अभियंता ने विभाग के इंजीनियरों को एक हफ्ते में सड़कों को दुरुस्त करने का समय दिया है। मंत्री राकेश सिंह ने भी क्षतिग्रस्त सड़कों की समीक्षा की। यहां विभाग के अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता, प्रबंध संचालक सड़क विकास निगम, प्रमुख अभियंता समेत अन्य अफसरों से मंत्री सिंह ने कहा कि एक सप्ताह का अभियान चलाकर सड़कों, शोल्डरों एवं पुल-पुलियाओं की मरम्मत करने का काम पूरा कराएं। मंत्री ने निर्देश दिए कि मरम्मत के बाद इंजीनियरों से यह प्रमाण पत्र भी लिया जाए कि उनके क्षेत्र में अब कोई क्षतिग्रस्त सड़क मरम्मत के लिए शेष नहीं है।

सड़कों का नेटवर्क

लोक निर्माण विभाग के पास 81000 किमी सड़क का प्रदेश में नेटवर्क है। जिसमें से 9315 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग, 12568 किमी स्टेट हाईवे, 25420 किमी मुख्य जिला मार्ग तथा 33697 किमी की ग्रामीण सड़कें हैं। विभाग ने हर मार्ग पर सब इंजीनियर, एसडीओ, कार्यपालन यंत्री स्तर के अधिकारियों को मार्ग वार जिम्मेदारी सौंपी है।

पहले भी दिया था अल्टीमेटम: बताया जाता है कि मंत्री सिंह ने पांच अगस्त को लोकपथ ऐप में दर्ज शिकायतों और उनके निराकरण का रिव्यू किया था। तब यह बात सामने आई थी कि लोकपथ ऐप में 1846 शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिसमें से 1609 शिकायतों का निराकरण किया गया है। मंत्री सिंह ने बैठक में लोकपथ ऐप में अधिक समय से पेंडिंग शिकायतों पर नाराजगी जताते हुए 24 घंटे में समय सीमा के बाहर वाली कम्प्लेन का निराकरण करने के लिए कहा था। साथ ही ऐसा न होने पर कार्रवाई की भी चेतावनी दी थी।

अफसरों का दावा, भोपाल की 14 में से 6 सड़कों के गड्ढे भरे

अधीक्षण यंत्री भोपाल के अनुसार लोक निर्माण विभाग के अधीन भोपाल शहर में सड़कों पर वर्षा ऋतु में लगभग 3 प्रतिशत सड़कों में गड्ढे पाए गए। अधिकांश की मरम्मत कर दी है। भोपाल शहर में लोक निर्माण विभाग के पास में 573 किमी सड़कें हैं। 400 किमी सड़कें परफॉर्मेंस गारंटी और 173 किमी सड़कें साधारण मरम्मत वाली हैं। शहर के 14 मार्गों के 22 किमी की लंबाई में 523 वर्गमीटर में गड्ढे हुए थे। जिसमें से 6 सड़कों में मरम्मत कार्य कर दिया गया। शेष सड़कों में मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। अधीक्षण यंत्री मंडल भोपाल ने शहर के 14 मार्गों का निरीक्षण किया है। वर्षा ऋतु में बिटुमन इमल्शन की लेयर डालकर पेच रिपेयर का कार्य किया जा रहा है। अधिक क्षतिग्रस्त स्थानों पर पेवर ब्लॉक की मरम्मत का कार्य किया जा रहा है।

गंदगी के चलते डेयरी सील, बेसमेंट में चल रही दुकानों पर ताला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गंदगी में दूध से पनीर, दही और मावा बनाए जाने पर खाद्य विभाग ने एक डेयरी सील की है। डेयरी से हर दिन 300 लीटर दूध और उससे बने पनीर, दही और मावा बेचा जा रहा था। खाद्य विभाग के अनुसार ग्राम-दुपाड़िया चौराहा, बैरसिया रोड पर राकेश दूध सप्लायर नाम से डेयरी है। यह डेयरी आकाश शिवहरे और राकेश शिवहरे के नाम पर है। खाद्य विभाग ने डेयरी का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रतिष्ठान में बहुत ज्यादा गंदगी में दूध से पनीर, दही, मावा आदि बनाना और भंडारण किया जाना पाया गया।

बेसमेंट में चल रहीं व्यवसायिक गतिविधियों के खिलाफ दूसरी कार्रवाई बुधवार को की गई। इसमें 4 दुकानों को सील किया गया। गोविंदपुरा एसडीएम रवीश श्रीवास्तव ने बताया कि अशोका गार्डन के स्वदेश नगर में बेसमेंट में दुकानें संचालित होने की शिकायत मिली थी। टीम ने बुधवार को 80 फीट रोड पर स्थित वरुण टावर के बेसमेंट में पार्किंग के स्थान पर बनाई गई अवैध रूप से संचालित चार दुकानों को सील किया गया।

छह घंटे बैरागढ़ मेन रोड के होटल में चोरी करते रहे चोर

बिजली के केबिल काटकर ले गए

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर में चोरी बेखौफ हैं। पुलिस को चुनौती देते हुए मुख्य मार्ग पर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं। सीहोर नाके के पास निर्माणाधीन होटल में चोर हजारों की केबिल चोरी कर ले गए।

जानकारी के अनुसार मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। फुटैज में रात 12 बजे से सुबह छह बजे तक चोरों की मौजूदगी है। होटल में पीओपी कर लाइट की केबिल डाली गई थी। होटल के मालिक राम पारदासानी ने बताया कि होटल में कुछ दिन पहले ही लाइटें, कैमरों के लिए अंडर ग्राउंड केबिल बिछाई गई थी। होटल में चल रहे निर्माण कार्य के चलते बाहर बांस बंधे हुए हैं, जिनसे घुसकर चोरी को अंजाम दिया गया। पारदासानी के मुताबिक केवल लाखों में है। पुलिस ने आकर घटना स्थल का मुआयना किया। सीसीटीवी फुटैज देखे, लेकिन देर शाम तक एफआईआर नहीं की है।

तनु जैन महिला उन्नति संस्था अध्यक्ष नियुक्त

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भोपाल लालघाटी निवासी वरिष्ठ समाजसेवी तनु जैन को महिला उन्नति संस्था का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। तनु जैन की समाज एवं मनावता के प्रति सच्ची लगन, निष्ठा और सेवाभाव को देखते हुए संस्था ने अध्यक्ष बनाया है। यह नियुक्ति मुख्य संरक्षक इंदु गोयल, संरक्षक डॉ. वीरेंद्र पाल सिंह राणा, राष्ट्रीय संयोजक उर्मिला भारद्वाज, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राहुल वर्मा, राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार भाटी ने दी है। इस अवसर पर तनु जैन ने कहा कि मुझे जो भी दायित्व दिया गया है उसका मैं श्रद्धा से निर्वाहन करूंगी और समाज एवं मानव कल्याण हेतु किए जाने वाले प्रयत्न पूरी निष्ठा के साथ, लगन के साथ समाज को जागरूक करने में पूर्ण सहयोग करूंगी। इस अवसर पर कई लोगों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

प्रदर्शनी में बच्चों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

डीडी प्ले स्कूल में लगी एक्सिबिशन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

डी. डी. प्ले स्कूल में बुधवार को एक्सिबिशन का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों द्वारा मॉडल तैयार किए गए। बच्चो ने नेशनल सिंबल्स,फार्म एनिमल्स, वाइल्ड एनिमल, फिश एक्वेरियम और सात अजूबे ताज महल , एफिल टॉवर के मॉडल बनाए और मॉडल्स के बारे में भी प्रबंध समिति के सदस्यों को बताया।

इस अवसर पर प्रबंध समिति के अध्यक्ष विष्णु गेहनी, संरक्षक वासदेव वाधवानी, सचिव सुरेश राजपल, प्राचार्य ज्योति चौहान, प्रिया धर्मदसानी, विद्यालय की इंचार्ज हेमलता संगतानी व शिक्षिकाएं उपस्थित हुए। संस्था के अध्यक्ष गेहानी ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास होता है।बच्चो ने समय का सही उपयोग करते हुए अपने हुनर को भी निखारा है।

नागपंचमी पर विशेष पूजा पार्थिव शिवलिंग बने

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सैनिक कालोनी नुक्कड वाली माता मंदिर पर एक माह का महाभिषेक निरंतर प्रातः काल, सायं काल पार्थिव शिवलिंग पूजन एवं शिव पुराण का मूल पाठ ब्राह्मणों द्वारा किया जा रहा है। सावन माह के 17 दिन विहिप बजरंग दल के पदाधिकारी विशाल पुरोहित ने भगवान शिव का अभिषेक पूजन अर्चना की। पंडित रवि पटेरिया ने बताया कि 9 अगस्त को नागपंचमी के पावन पर्व पर विशेष पूजन नागपंचमी के दिन चांदी के नाग नागिन के जोड़े शिवलिंग पर चढाने से राहुल, केतु के अनिष्ठ प्रभाव कम होते है। वहीं चांदी के बेलपत्र शिवलिंग पर चढाए अथवा पूजा घर में रखने से सुख समृद्धि बढती है मानसिक शांति मिलती है, चांदी पर चंद्रमा का आधिपत्य है और चंद्रमा शीतलता प्रदान करता है। अभिषेक उपरांत प्रसाद वितरण किया गया।

मेट्रो एंकर | विधायक रामेश्वर शर्मा का किया संतनगर ने आभार

रोगी कल्याण समिति के नए सदस्यों का हुआ अभिनंदन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

रोगी कल्याण समिति सिविल अस्पताल के सदस्य मनोनीत होने पर बसंत चेलानी हरीश मूलानी का अभिनंदन एवं विधायक रामेश्वर शर्मा का आभार प्रदर्शन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारत विकास परिषद एवं सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया ने किया।

समारोह में शर्मा ने कहा कि आज जो स्वागत है वो वास्तव में बसंत चेलानी और हरीश मूलानी का है हमारा स्वागत तो आप पहले ही चुनावों में वोट देकर कर चुके हो। उन्होंने कहा कि सेवा का अवसर सबको मिलना चाहिए, इसलिए हमने ऐसा अवसर तलाशा और दो सदस्यों को रोगी कल्याण समिति सिविल अस्पताल के सदस्य के रूप में मनोनित किया, जो समय-समय पर सिविल अस्पताल जाएँ और वहां के मरीजों की समस्याओं को सुने और उनको सरकार तक पहुँचाएं, जिससे उसका निराकरण हो सके यह भी एक जनसेवा ही कहलायी जायेगी क्योंकि मरीजों की सेवा ही जनता जनार्दन की सेवा है। इसलिए हमने सोचा कि यह काम दोनों ऐसे व्यक्तियों को दे जिनमें सेवाभाव हो, तो हमने बसंत चेलानी और हरीश मूलानी को इस काम के लिए उचित समझा और इनसे पूछे बगैर ही हमने इनको सदस्य बना लिया और सीधे बैठक में ही इनको बताया कि आप सदस्य बन चुके हैं।

यह रहे मौजूद: इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, भाजपा मंडल अध्यक्ष, संत नगर कमल वीधानी, गुलाब जेठानी, कमल प्रेमचन्दानी, राजेश बेलानी, रामचन्द सबनानी, मैनिस मैथ्यूस, मोहन लालवानी, कन्हैयालाल मोटवानी, नारी तनवानी सहित नगर के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि हमारे संघ में काम देने से पहले पूछा नहीं जाता है सिर्फ देखा जाता है कि कौन क्या काम कर सकता है। हमने जो काम इनको दिया है मै उनसे मैं उम्मीद करूंगा कि वे इस काम को पूर्ण निष्ठा से करेंगे। इसके साथ सिविल अस्पताल का विकास भी हम लगातार कर रहे है। 14 अगस्त को निकलने वाली तिरंगा यात्रा का स्वागत करने की अपील शर्मा ने की। शर्मा ने कहा कि दोपहर 12 बजे तिरंगा यात्रा संतनगर से निकलेगी उसका भी स्वागत हर संस्था अपने-अपने स्तर पर करें।

मध्यप्रदेश आवास संघ के पूर्व अध्यक्ष सुशील वासवानी ने बसंत चेलानी और हरीश मूलानी को बधाई देते हुए कहा कि इनको जो सेवा का कार्य मिला है, हमें विश्वास है कि ये उसको पूर्ण निष्ठा से करेंगे। कर्नल नारायण पारवानी ने कहा कि रोगी कल्याण समिति के सदस्य के रूप में चेलानी और मूलानी अपनी सेवाएं देंगे। कार्यक्रम में डॉ जी.टी. खेमचन्दानी ने मनोनयन पर विधायक का आभार जताया। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि दोनों सदस्यों को इस सेवा कार्य के लिए चुना है वे दोनों निश्चय ही इस कार्य को पूर्ण सेवा भाव से करेंगे।

रोगी कल्याण समिति सिविल अपस्ताल के दोनों सदस्य चेलानी और मूलानी ने कहा कि हमे जो जिम्मेदारी दी गई है, उसे पूरी निष्ठा से करेंगे और रोगियों की हर समस्या को सरकार तक पहुँचाने का पूरा-पूरा प्रयास करेंगे। कार्यक्रम का संचालन कमल प्रेमचन्दानी ने किया। गुलाब जेठानी आभार व्यक्त किया।

15 अगस्त से होगी शुरूआत, चार जिलों में पायलट परीक्षण कामयाब

अब फेसलेस रजिस्ट्री के लिए नया सॉफ्टवेयर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जमीन की रजिस्ट्री करके मालिकाना हक देने वाले पंजीयन विभाग का संपदा सॉफ्टवेयर-2 का उपयोग 15 अगस्त से शुरू होने वाला है। सॉफ्टवेयर का पायलट परीक्षण गुना, रतलाम, हरदा और डिंडोरी मुख्यालयों में उप पंजीयन कार्यालयों में किया जा चुका है। इस सॉफ्टवेयर में कई ऐसी विशेषताएं हैं, जो देश में पहली बार क्रियान्वित होंगी। इसमें सबसे खास बात यह है कि इस संपदा सॉफ्टवेयर से उप पंजीयन कार्यालय में उपस्थित होने की अनिवार्यता नहीं रहेगी। रजिस्टर्ड दस्तावेज डीमेट दस्तावेज में बदल जाएंगे और फेसलेस पंजीयन हो जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक रूप से पंजीबद्ध दस्तावेज व्हाट्सएप एवं ईमेल के माध्यम से तत्काल रजिस्ट्री कराने वालों को मिल जायेंगे। सभी जिलों में कृषि भूमि के खसरे के अंतरण के दस्तावेज पंजीकृत होने पर संपदा एप्लीकेशन से राजस्व विभाग के रेवेन्यू केस मैनेजमेंट सिस्टम के उपयोग से साइबर तहसीलों में स्वतः नामांतरण होना शुरू हो गया है।

दस्तावेजों को किया जा रहा डिजिटिलाइज

सभी जिलों में रजिस्टर्ड हो चुके दस्तावेजों को भी डिजिटिलाइज करने की प्रक्रिया चल रही है । इसके अंतर्गत 7 जिलों हरदा, डिंडोरी, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, सिंगरौली और बुरहानपुर में 100 प्रतिशत दस्तावेज 2004-05 से डिजिटल किया जा चुके हैं । वर्ष 2005-06 तक के लगभग 1.1 करोड़ दस्तावेज में से 28 लाख दस्तावेज को डिजिटल किया जा चुका है। बताया गया कि 67 जिला मुख्यालयों और राजस्व के लिए महत्वपूर्ण उप पंजीयन कार्यालयों का आधुनिकीकरण किया गया है। हाल में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने मंत्रालय में पंजीयन विभाग की समीक्षा के दौरान इस सॉफ्टवेयर के अधिकाधिक उपयोग करने की व्यवस्था के भी निर्देश दिए हैं।

केपी, नरोत्तम या फिर कोई और...

सिंधिया वाली राज्यसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा के बाद से नामों की चर्चा हुई तेज, 3 सितंबर को होने है चुनाव

भोपाल, दोपहर मेट्रो। ज्योतिरादित्य सिंधिया वाली राज्यसभा सीट पर उप चुनाव की घोषणा के बाद केपी यादव, नरोत्तम मिश्रा का नाम सुर्खियों में है। ये वे भाजपा नेता है, जिनमें से किसी एक को राज्यसभा में भेजे जाने के कयास लगाए जा रहे हैं। चूंकि चुनाव 3 सितंबर को होना है इसलिए सत्ता और संगठन में भी किसी एक नाम पर सहमति को लेकर हलचल तेज हो गई है।

सूत्रों के मुताबिक अभी तक केंद्र से नाम को लेकर कोई साफ लाइन नहीं मिली है तब भी पूर्व सांसद केपी यादव को राज्यसभा भेजे जाने के कयास जोर पकड़ रहे हैं। असल में लोकसभा चुनाव 2019 में केपी यादव गुना सीट से सांसद चुने थे। उन्होंने तब कांग्रेस से प्रत्याशी रहे सिंधिया को हराया था। बाद में सिंधिया भाजपा में आए और लोकसभा चुनाव 2024 में पार्टी ने उक्त सीट से उन्हें मैदान में उतार दिया। तब भाजपा ने सीटिंग सांसद केपी यादव का टिकट काटा था। तब से लगातार चर्चाओं को बल मिला कि केपी यादव नाराज है। केपी खुद कई मंचों पर नाराजगी जता चुके थे। बताया जाता है कि गुना क्षेत्र के यादव समाज के कई लोग केपी के टिकट कटने से नाराज हो गए थे। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुना क्षेत्र की जनता को गुना से दो सांसद देने का वादा किया था।

इधर, नरोत्तम मिश्रा का नाम भी इसलिए चर्चा में है। वह दतिया से चुनाव हारे तब से लगातार सक्रिय है। भाजपा की न्यू ज्वाइनिंग टोली के संयोजक के रूप में उन्होंने पार्टी को कई मौकों पर बल देने का काम किया है। जिनकी चर्चा देशभर में रही। लोकसभा में भारी बहुमत के साथ रिकार्ड जीत हासिल करने वाली भाजपा में फिलहाल उनके पास कोई जिम्मेदारी नहीं है। वह जनरल श्रेणी से सक्षम और सशक्त दावेदार के रूप में सामने आ रहे हैं।

भोपाल। मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के इंदौर में धरना प्रदर्शन के दौरान लाठी चार्ज में घायल होने को लेकर कांग्रेस नेता अरूण यादव, सज्जन वर्मा, पीसी शर्मा, मुकेश नायक, जेपी धनोपिया आदि ने इस कार्रवाई के विरोध में पीएचक्यू पहुंचकर ज्ञापन दिया व जांच की मांग की।

मिशनरी संचालकों को अकारण मानसिक प्रताड़ना दी जा रही: अजय सिंह

'खास विचारधारा को लेकर चल रहा गुप्त एजेंडा'

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष और विधायक अजय सिंह ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार योजनाबद्ध तरीके से प्रदेश में एक खास विचारधारा को लेकर गुप्त एजेन्डा चला रही है। वह ईसाई मिशनरियों के संचालकों को अकारण पुलिस भेजकर डरा धमका रही है। बिना सर्च वारन्ट के और बिना कारण बताये वरिष्ठजनों को घर से उठाया जा रहा है। पुलिस के इस रवैये के कारण इस समुदाय के लोग डरे हुये और आश्चर्यचकित हैं। जबकि नब्बे प्रतिशत नागरिक और रहवासी उनके समर्थन में खड़े हैं। सिंह ने कहा कि ताज़ा वाकया दमोह जिले का है जहां पिछले छह सात पुश्तों से डा. अजयलाल का परिवार सेवारत है। डा. लाल को अकारण परेशान किया जा रहा है। लाल वह शख्स हैं जिन्होंने कोरोना काल में सैकड़ों लोगों की पूरे मनोयोग से मदद की इसके गवाह वहाँ के रहवासी हैं। दमोह उनकी कर्मभूमि है जहां वे अनाथ और बेसहारा बच्चों को सहारा देते हैं। पुलिस बल ने उनके घर को घेर रखा है। डा. लाल का कुछ पता नहीं है कि पुलिस उन्हें कहां ले गयी है। वे सीनियर सिटीजन है। सिंह ने कहा कि दिन भर पुलिस ने डा. लाल से पूछताछ की। सिंह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से आग्रह किया है कि वस्तुस्थिति पता करके तत्काल डा. लाल और उनके परिवार को अकारण दी जा रही मानसिक प्रताड़ना से बचायें अन्यथा दमोह में अप्रिय स्थिति बन सकती है।

नौ सौ स्कूलों का वेरीफिकेशन कर तैयार होगी रिपोर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के 181 स्कूल ऐसे हैं जिनमें बारिश में पानी भर जाता है। इसलिए पढ़ाई ठप हो जाती है। इसलिए जिले के 900 सरकारी स्कूलों की स्थिति जानने वेरीफिकेशन कराया जाएगा। इसके लिए ब्लॉक स्तर पर चार समितियों का गठन किया जा रहा है। ये समितियां शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में जाकर स्कूल भवन से लेकर परिसर और इंतजामों पर रिपोर्ट तैयार करेगी। हाल की बारिश में राजधानी के 181 स्कूलों की स्थिति खराब हो गई। इनमें पानी जमा हो गया। इनकी रिपोर्ट सामने आने के बाद शहर के दूसरे स्कूलों की हालत भी देखी जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी एनके अहिरवार ने बताया कि बीआरसी स्तर पर इसके लिए टीमें बनाई जा रही हैं। स्कूल प्राचार्यों को भी इन टीमों में शामिल किया जाएगा।

रिपोर्ट के आधार पर सुधार काम

टीमों की रिपोर्ट के आधार पर स्कूलों में सुधार कार्य होना है। अब तक सुधार के लिए स्कूलों में साल में एक बाद कंटनजेंसी फंड मिलता है। यह छात्र संख्या के आधार पर तय किया जाता है। अधिकतर 75 हजार रुपए राशि सालभर के लिए दी जाती है।

नए वनमंत्री पर मेहरबान हुई मोहन सरकार

10 अगस्त को विजयपुर में जुटेंगे मंत्री

चुनाव से पहले जमावट शुरू, खतरे टालने के जतन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जिस तरह छिंदवाड़ा की अमरवाड़ा सीट पर हुआ विधानसभा उप चुनाव चर्चाओं में रहा है, ठीक उसी तरह की स्थिति विजयपुर सीट पर प्रस्तावित उप चुनाव की रहेगी। बल्कि विजयपुर सीट ज्यादा चर्चा में रहेगी। इसकी वजह इस सीट से मप्र सरकार के वन मंत्री रामनिवास रावत को चुनाव लड़ना होगा। वह भाजपा से प्रत्याशी होगी। चुनाव की तारीख अभी आई नहीं है, उसके पहले मोहन सरकार ने अपने मंत्री को जीताने के लिए जमावट शुरू कर दी है। पहले सरकार ने वनमंत्री की सीट पर करोड़ों रुपये के काम स्वीकृत किए अब 10 अगस्त को सरकार के कई मंत्री विजयपुर में जुटने जा रहे हैं। यहां सरकार ने स्व सहायता समूहों का सम्मेलन और राज्य स्तरीय रक्षाबंधन एवं सावन उत्सव कार्यक्रम रखा है। यहीं से लाड़ली बहनाओं के खातों में 1900 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बुधवार सुबह वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए उक्त कार्यक्रम को लेकर सभी संभागायुक्तों, कलेक्टरों और जनप्रतिनिधियों से बातचीत की। बैठक में मंत्री व सीएस समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि रामनिवास रावत विजयपुर सीट से कांग्रेस की सीट पर चुनाव लड़कर जीते थे जो लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा में शामिल हुए। 8 जुलाई को मोहन सरकार ने उन्हें मंत्री बनाया और वन व पर्यावरण जैसे अहम विभागों की जिम्मेदारी दी है। रावत के इस्तीफे के बाद यह सीट खाली हुई है, जिस पर उपचुनाव की तारीख घोषित होनी है। भाजपा की टिकट पर रावत तो यहां से जीत के लिए ऐड़ी-चोटी का जोर लगा ही रहे हैं, सरकार भी कहीं न कहीं अभी से उन्हें ऐसे कार्यक्रमों के जरिए सपोर्ट कर रही है। इसके पूर्व में सरकार ने रावत के क्षेत्र में लघु सिंचाई परियोजनाएं समेत करोड़ रुपये के काम स्वीकृत किए हैं।

शिक्षा पोर्टल के माध्यम से दी जा रही 6 विभागों की 20 प्रकार की छात्रवृति

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में समेकित छात्रवृति योजना जिसमें 6 विभागों की 20 प्रकार की छात्रवृति प्रदान की जा रही है। इसके लिये स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षा पोर्टल का उपयोग किया जा रहा है। पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थियों की छात्रवृति नियत समय पर हो सके इसके लिये लोक शिक्षण संचालनालय ने समय सारणी जारी की है। शिक्षा पोर्टल पर सत्र प्रारंभ होने से ही सभी शासकीय और प्रायवेट शिक्षण संस्थाओं में कक्षा 1 से 12 तक अध्ययनरत विद्यार्थियों का नामांकन कार्य तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश भर में शत-प्रतिशत विद्यार्थियों का नामांकन 10 अगस्त तक अनिवार्य रूप से किये जाने के निर्देश विद्यालयों को दिये गये है। निर्देशों में कहा गया है कि विद्यार्थियों का प्रोफाइल अपडेशन प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी अनिवार्य रूप से किया जाये। प्रोफाइल में दर्ज जानकारी के अनुसार ही विद्यार्थियों को छात्रवृति और योजना का लाभ दिया जाता है। प्रोफाइल अपडेट करने की सुविधा शिक्षकों की यूनिक आईडी एवं बीआरसीसी स्तर पर प्रदाय किये गये यूजर पर दी गई है। शालाओं से कहा गया है कि अपडेशन कार्य में विद्यार्थियों के मोबाईल नंबर और बैंक एकॉउन्ट की गहनता से जांच कर प्रविष्टी की जाये। त्रुटि होने की दशा असफल भुगतान की स्थिति निर्मित होती है, जिससे विद्यार्थियों और उनके पालकों को दिक्कतों का समाना करना पड़ता है। प्रदेश की सभी शालाओं को प्रोफाइल अपडेशन और स्वीकृति का कार्य इस वर्ष 24 अगस्त तक अनिवार्य रूप से किये जाने के लिये कहा गया है।

एक ही पंजीयन से कॉलोनाइजर्स कर सकेंगे कहीं पर भी कार्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कॉलोनाइजर्स एक ही रजिस्ट्रेशन पर कही पर भी निर्माण कार्य कर सकेंगे। कॉलोनाइजर्स को अब अलग-अलग नगरीय निकायों में रजिस्ट्रेशन कराने से निजात मिलेगी। सारी प्रक्रिया ऑनलाइन होने के साथ 30 दिन की समय-सीमा में प्रमाण-पत्र जारी किए जाएँगे। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन से प्रक्रिया सरल होगी और प्रदेश के विकास में तेजी आएगी। मध्यप्रदेश नगर पालिका कॉलोनी विकास नियम 2021 के जरिए अवैध कॉलोनियों के नियमितीकरण के भी प्रावधान किए हैं। आवेदन की सुविधा ई-नगर पालिका पोर्टल, एमपी अर्बन वेबसाइट, ई-सर्विस पोर्टल पर उपलब्ध है । रजिस्ट्रीकरण शुल्क का ऑनलाइन भुगतान, आवेदन की स्थिति ट्रेक करने, ऑनलाइन दस्तावेज अपलोड करने, ऑनलाइन अनुमोदन प्रक्रिया, डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र, SMS एवं WhatsApp के जरिए आवेदक को सूचना, WhatsApp के जरिए सर्टिफिकेट प्रदान की जाने की सुविधा और संचालनालय के लिए मॉनीटरिंग के उद्देश्य से विभिन्न रिपोर्ट्स की सुविधा रहेगी। कॉलोनाइजर के नए एकीकृत रजिस्ट्रीकरण अब संचालनालय स्तर पर ऑनलाइन किये जाएँगे, जो सभी नगर निकायों के लिए मान्य होंगे।

संपादकीय

टैक्स थोपने की जल्दबाजी पर सवाल

यूं तो केंद्र सरकार दावा करती है कि लोगों एवं कंपनियों में कर का डर दूर किया जा रहा है। लेकिन वास्तविकता यह है कि कर अधिकारियों की तरफ से उठाया गया प्रत्येक कदम इशारा करता है कि करसंग्रह तंत्र के संचालन पर नीति निर्धारकों का कम या बिल्कुल नियंत्रण नहीं है। दरअसल, सूचना-प्रौद्योगिकी क्षेत्र की नामचीन भारतीय कंपनी इन्फोसिस को टैक्स महकमे की तरफ से प्रारंभिक कारण बताओ नोटिस मिलने के बाद यह सवाल खड़े हुए हैं। इससे बाजार एवं अन्यत्र असंतोष है। नोटिस में उल्लेख है कि इन्फोसिस पर भारत एवं विदेश में उसके कार्यालयों के बीच हुए लेनदेन से संबंधित एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर यानि जीएसटी की देनदारी बनती है। इन्फोसिस इस लेनदेन की व्याख्या स्वयं को उपलब्ध कराई सेवा के रूप में कर रही है परंतु, विभाग का तर्क है कि विदेश में कंपनी के कार्यालय या सहायक इकाइयां स्वतंत्र हैं, इसलिए कंपनी को चुकाना चाहिए। हालांकि राज्य प्राधिकरण (कर्नाटक) ने भी नोटिस जारी किया था परंतु, उसने वापस ले लिया है। कुछ पुराने कर, जिन्हें अब चुकाने के लिए कहा जा रहा है, वे समय से परे हो सकते हैं या जल्द इस स्थिति में पहुंच सकते हैं। यह दावा जुलाई में एक परिपत्र में दिए गए एक प्रावधान से निष्प्रभावी हो भी सकता है और नहीं भी। अन्य आईटी कंपनियां, जिनकी विदेश में इकाइयां हैं, उनके समक्ष भी यह कर मांग रखी जा सकती है या नहीं। संभव है कि उन्हें जुलाई में निर्गत परिपत्र से सुरक्षा मिल जाए या फिर न मिले। विदेश में सहायक इकाइयां या शाखा कार्यालय रखने वाली विमानन कंपनियों से भी ऐसी मांग की जा सकती है और नहीं भी ! यानि करदावों पर जिस तरह उलझन है, सरकार को इससे बचने का प्रयास करना चाहिए। संभव है कि सरकार ने कानून में वर्णित विभिन्न समय सीमा का पालन करने की हड़बड़ी में इन्फोसिस को 32,400 करोड़ रुपये कर चुकाने के लिए कहा। सरकार ने कर के रूप में इन्फोसिस से जितनी रकम मांगी है वह कंपनी के मुनाफे के आंकड़े के बराबर नजर आ रही है। यह व्यावहारिक रूप से करदाता के लिए अवमानना जैसा है। सरकार को कर मांगने से पहले सोच-विचार करना चाहिए था और समग्र कारोबारी मानकों के संदर्भ में निर्णय लेना था। संभव है कि सरकार ने सोचा होगा कि कंपनी से कर मांगने के बाद जांच-पड़ताल की जाएगी और कुछ अनियमितता दिखेगी तो वह नोटिस वापस ले लेगी। तो यह रवैया भी स्वीकार्य नहीं है और उन अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जो कानून की गलत व्याख्या कर नोटिस भेजते हैं। आनन-फानन में भेजे गए ऐसे कर नोटिस इस मूल भावना के बिल्कुल उलट हैं और बाजार व्यवस्था में उलझन की स्थिति खड़ी करते हैं। इन्फोसिस जैसी कंपनी का सामान्य कारोबारी व्यवहार उचित रूप में कराधान के दायरे में लाया जाता है तो खुली चर्चा के माध्यम से इस दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। परंतु, अचानक एवं पिछली तारीख से इसे लागू करना उचित नहीं माना जा सकता। यहां स्थिति कुछ इस तरह है कि एक बड़ी कंपनी एक विशेष आचरण के साथ कई वर्षों से कर चुकाती आ रही है और फिर अचानक कर विभाग को याद आता है कि कर चुकाने का तरीका या आधार ठीक नहीं है। उसके बाद सरकार तपाक से कर भुगतान की अंतिम तारीख से ठीक पहले कर नोटिस थमाती है। सरकार का यह रवैया अचरज भरा है। ऐसे में यह आशंका भी है कि यदि जीएसटी प्रणाली में सुधार व सरलता नहीं आयेगी तथा कर विभाग की जवाबदेही तय नहीं होगी, निवेशक भारत में कारोबार करने से कतराएंगे।

> ज़्यादातर लोग बाहर की दुनिया में इतने लीन हैं कि वे अपने अंदर की दुनिया से बेखबर रहते हैं।
>
> – निकोला टेस्ला

आज का इतिहास

- 1173 निर्माण एक कैंपनील पर शुरू हुआ, जो अंततः पीसा के लीनिंग टॉवर को काट देगा।
- 1609 वेनिस की सीनेट ने गैलिलियो द्वारा तैयार दूरबीन का निरीक्षण किया।
- 1700 डेनमार्क और स्वीडन ने शांति संधि पर हस्ताक्षर किये।
- 1771 इंग्लैंड में हॉर्शम में पहला रिकॉर्ड शहर क्रिकेट मैच खेला गया।
- 1786 माइकल-गैब्रियल पैकार्ड और जैक्स बलमत ने आल्प्स में मोंट ब्लांक की पहली चढ़ाई पूरी की, जो एक ऐसा कार्य था जिसे आधुनिक पर्वतारोहण का केंद्र माना जाता है।
- 1786 अमेरिकी कांग्रेस ने चांदी के डॉलर और मुद्रा के लिए दसमलव प्रणाली को स्वीकार किया।
- 1788 पहली बार 1614 के बाद से, फ्रांस के राजा लुई मई 1789 में पहली बार सम्पदा-सामान्य बैठक बुलाई जाने के लिए सहमत हुए।
- 1839 बीटा थिता पिई ऑक्सफ़ोर्ड, ओहियो में स्थापित की गई।
- 1862 अमेरिकी गृहयुद्ध-युद्ध के मैदान से लगभग दूर होने के बाद, देवदार पर्वत की लड़ाई के शुरुआती हिस्से में, सेना के सैनिकों ने मुठभेड़ की और एक जीत हासिल की।
- 1864 जेनेवा में रेड क्रॉस की स्थापना हुई।।
- 1887 अंतोनियो गज़मैन ब्लैंको वेनेज़ुएला ने फ्रांस के राष्ट्रपति के रूप में अपनी अवधि पूरा किया।
- 1899 ए.टी. मार्शल ने रेफ्रीजरेटर का पेटेंट कराया।
- 1900 बोस्टन में पहले डेविस कप श्रृंखला की शरूआत हुई।
- 1918 एमिएनस की लड़ाई फ्रांस के एमीन्स में शुरू हुई, जिसने मित्र देशों की शक्तियों के सौहार्दपूर्ण दिनों को जर्मन मोर्चे के माध्यम से शुरू किया और अंततः प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति हुई।

निशाना

गया घोंपा खंजर !

- कृष्णेन्द्र राय

फैली अराजकता ।
हुआ अजब है हाल ।।
तख्तापलट है हुआ ।
तय उठना सवाल ।।
दर दर ठोकर खा रहे ।
हुए बेघर लोग ।।
होना था पर जिसका
हुआ सही प्रयोग ।।
उथल पुथल है मचा ।
हुई शांति भंग ।।
इस साज़िश में हैं घुले ।
और कितने रंग ?
मकसद उपद्रवियों का ।
हुआ झटपट ज्ञात ।।
गया घोंपा खंजर ।
है बड़ा आघात ।।

आखिर हसीना कैसे शुमार हुई तानाशाहों में

■ ज्योति मल्होत्रा

सोमवार सायं को बांग्लादेश में भड़के अराजक आंदोलन के दौरान एक 'प्रदर्शनकारी' द्वारा बंगबंधु मुजीबुर्रहमान की प्रतिमा पर हथोड़ा चलाने की तस्वीर सिहरन पैदा करने वाली था। हमें लगता है यह किसी आंदोलनकारी छात्र का काम नहीं हो सकता-कतई नहीं -भले ही वह बंगबंधु की बेटी से कितना भी नाराज़ क्यों न हो। यहां तक कि अगर शेख हसीना उस वक्त भी चुप रहीं, जब पिछले कुछ हफ्तों से चल रहे आंदोलन में 'देखते ही गोली मार दो' आदेश के बाद सुरक्षा बलों के हाथों 300 से अधिक मारे गए और यह हुक्म और किसी ने नहीं बल्कि उनकी आवामी लीग पार्टी के महासचिव ओबेदुल कादर ने दिया था। यदि बंगबंधु जीवित होते तो वे भी इन वैचारिक तौर पर विकृत लोगों का निशाना बन जाते, जिन्हें 1971 में बांग्लादेश को आज़ाद करवाने के लिए हुए लासानी युद्ध के बारे में तो बहुत कम या ज़रा इल्म नहीं है।

वे बांग्लादेश के उस राष्ट्रपिता की पुत्री हैं जो कभी गलत नहीं कर सकते थे, शेख हसीना तो लोकतंत्र की बेटी हैं, जो 15 अगस्त 1975 की मनहूस रात को हुए नरसंहार से बच गई थीं ङ्कजब उनके बाकी परिवार को विद्रोहियों द्वारा क्रूरता से खत्म कर दिया गयाङ्क सिर्फ इसलिए कि क्योंकि वे और उनकी बहन रेहाना, उस दिन धानमोंडी के पुश्तैनी घर में मौजूद नहीं थीं। आज हसीना को उन तानाशाहों की जमात में रखा जा रहा है जो अपनों का खून बहाने से पहले जरा नहीं सोचते, क्योंकि उन्हें यही करना पड़ता है, अपना बचाव सर्वप्रथम जो होता है।पर यह सब हो गुजरने की नौबत बनी कैसे? शेख हसीना कैसे ओबेदुल कादर को अनुमति दे सकती हैं कि जो कोई प्रदर्शन करने की जुर्रत करे, उसे मार डाला जाए? स्पष्टतः 1971 की क्रांति खुद को दोहरा रही है। यह अपने संतान खुद खाने जैसा है। बताया जा रहा है, ढाका में दो हफ्ते पहले हुई अभागी पत्रकार वार्ता में कादर ने कहा कि यदि छात्र अपना आंदोलन बंद कर घर वापसी नहीं करते तो 'इन्हें सीधा करने' को अपनी आवामी लीग के कार्यकर्ताओं को हुक्म देना पड़ेगा। तो क्या इसका मतलब है कि शेख हसीना की पार्टी वालों ने ढाका और चटगांव में प्रदर्शनकारी निर्दोष विद्यार्थियों पर गोलियां चलाईं? यह अभी जांच का विषय है। लेकिन यूनिसेफ ने कहा है कि जुलाई माह के आंदोलन में कम से कम 32 छात्र मारे गए हैं।यह कैसे हो सकता है कि शेख हसीना जिन्हें अपना पूरा परिवार नरसंहार में गंवाया हो और उसके बाद दिल्ली के पंडारा रोड के एक घर में अपनी बहन रेहाना और किशोर भाई रसेल के साथ बतौर राजनीतिक शरणार्थी रहना पड़ा, और इस दौरान उनके प्रिय बांग्लादेश में पाकिस्तान परस्त ताकतें सत्तासीन हो गईंङ्क क्योंकर उन्होंने खुद को इतना बिखरने दिया कि उन्हीं तानाशाहों का प्रतिबिम्ब बन गईं, जिनसे कभी नफरत थी?अब जबकि उन्हें दिल्ली के पास हिंडन वायुसेना अड्डे पर या उसके पास 'भारतीय सेफ हाउस' में रहना पड़ रहा है और केवल एक घंटे की दूरी पर, दिल्ली में रह रही और विश्व स्वास्थ्य संगठन में नौकरी कर रही अपनी बेटी साइमा वाज़ेद से मिलने तक की अनुमति नहीं है, तो शायद वे कुछ समय निकालकर अपने भीतर झांकेगी कि कैसे और क्यों उन्होंने इस मनहूस स्थिति को बनने दिया।

जनवरी माह में, जब विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) द्वारा दूसरी बार भी आम चुनाव का बहिष्कार किए जाने के बाद, शेख हसीना ने इस निर्णय पर हेकड़ी पूर्ण रुख अख्तियार करते हुए, बीएनपी के बड़े नेताओं को गिरफ्तार करने का हुक्म दिया, यह एक तरह से उनके चेहरे पर

थूकने जैसा था। भले ही ये दो महिलाएं, शेख हसीना और पिछले सालों से अस्वस्थ चल रही बीएनपी प्रमुख खालिदा ज़िया, एक-दूजे को सख्त नापसंद करती हों, किंतु लोकतंत्र के पहले नियम का तकाज़ा है कि चाहे आप किसी विपक्षी नेता से कितनी भी दिली नफरत क्यों न करते हों, फिर भी उसे अपनी बात कहने का मौका तो देना ही पड़ेगा। लेकिन हसीना अड़ी रहीं और भारत सरकार के पास उनकी दलीलों को मानने के सिवा कोई चारा नहीं रहा, लेकिन यदि भारत उनके अधिनायकवादी तौर-तरीकों से चुनाव के जरिये सत्ता में वापसी का समर्थन न करता रहता तो बंगाल की खाड़ी उन मगरमच्छों का आशियाना बन जाती, जिनका प्रशिक्षण और पोषण पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान करता आया है। विडंबना है कि वह आकलन भी एकदम सच था। इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी सहित अपने से पहले के प्रधानमंत्रियों की भांति नरेंद्र मोदी को भी अहसास रहा कि भारत के पास शेख हसीना का समर्थन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। जब 2001 से 2006 के बीच बीएनपी सत्ता में रही, तब न केवल भारत के उत्तर-पूर्वी इलाके को गहरी उथल-पुथल में धकेला गया बल्कि पाकिस्तान परस्त तत्वों ने चटगांव बंदरगाह से होकर बांग्लादेश में आधुनिक हथियारों की खेपों की खेपें उतारीं। यह एकदम सच है कि शेख हसीना की ढाका में वापसी भारत के लिए एक बड़ा वरदान रही। केवल 1971 के नाते से नहींङ्क्यह सरगर्मी आरंभ से रही, जब विशेष रिश्ता कायम हुआ, जो न केवल मुक्ति बाहिनी और भारतीय सेना के बीच था बल्कि दोनों मुल्कों के नागरिकों के मध्य भी ङ्क और ये संबंध शेख हसीना के पिछले 15 सालों के प्रधानमंत्रित्व काल में भी बने रहे। भारत और शेख हसीना के नेतृत्व वाले बांग्लादेश के मध्य राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में एक बिल्कुल नई किस्म की साझेदारी बनी, जो बाकी दक्षिण एशिया के लिए आदर्श उदाहरण बनी। सड़क, रेलवे, पारगमन का अधिकार, आम नागरिकों को आने-जाने की अनुमति, रक्षा क्षेत्र में मदद, जो कोई भी नाम लें, उस क्षेत्र में भारत-बांग्लादेश की जुगलबंदी कायम रही। तब फिर ऐसा क्या हुआ? सोमवार को ढाका में बांग्लादेशी आंदोलनकारी द्वारा शेख मुजीब की मूर्ति के सिर को हथौड़े से तोड़ने और देशभर में हिंदू परिवारों पर हुए हमले साफ दिखाते हैं कि पर्दे के पीछे से कोई ताकतें यह सब करवा रही हैं। सबसे बड़ा शक पाकिस्तान परस्त जमात-ए-इस्लामी संगठन पर है। वे लौट आए हैं। बांग्लादेश में इतिहास कभी भी वास्तव में इतिहास नहीं रहा। अब पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान के लिए बंगाल की खाड़ी में 'खेला' करने के लिए यह परिस्थिति जन्य मौका है।यह भी उतना ही सच है कि शेख हसीना के सिवाय एक भी ऐसा नहीं है जिसके पास जमात-ए-इस्लामी और इसके राजनीतिक मुखौटे बीएनपी से मुकाबला करने का माद्दा हो। लेकिन हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। अब जबकि हिंडन वायुसेना अड्डे पर वे ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय द्वारा राजनीतिक शरण की अनुरोध स्वीकार करने की बाट जोह रही हैं, शायद लंदन से अनुमति आने तक उनके लिए ढाका में बने रहना सुरक्षित न होता। अवश्य ही उन्होंने भारत से अस्थाई पनाह देने की गुहार लगाई होगी। उन्हें आने देकर मोदी सरकार ने सही किया है। और दोस्त होते किसलिए हैं भले ही अगला गलत क्यों न हो।

– साभार: यह लेखक के विचार हैं।

पेरिस ओलंपिक: विनेश फोगाट ने 53 के बजाय 50 किलोग्राम कैटेगरी लेकर रिस्क लिया!

■ विनोद पाठक

भारतीय रेसलर विनेश फोगाट जैसे ही पेरिस ओलंपिक-2024 में वूमेन रेसलिंग की 50 किलोग्राम कैटेगरी में फाइनल में पहुंची थीं, देश में एक अलग सा उल्लास छा गया था। गोल्ड नहीं तो सिल्वर पक्का था। चंद घंटों में यह खुशी उदासी में बदल गई, क्योंकि विनेश फोगाट अपनी कैटेगरी में तय वजन से 100 ग्राम अधिक पाई गईं। इंटरनेशनल रेसलिंग फेडरेशन के नियम बेहद सख्त होते हैं। एक ग्राम वजन भी अधिक होता है तो रेसलर को अयोग्य घोषित कर दिया जाता है। ऐसा नहीं है कि विनेश फोगाट इन नियमों से अनभिज्ञ थीं, क्योंकि एक रात पहले उन्हें पता था कि उनका वजन अधिक है।फाइनल में जाने से पहले उन्होंने अपना वजन कम करने की कोशिश की थी। विनेश फोगाट टोक्यो ओलंपिक-2020 में 53 किलोग्राम कैटेगरी में खेली थीं, लेकिन पेरिस ओलंपिक में उन्होंने 50 किलोग्राम कैटेगरी क्यों लीं? जबकि महिला रेसलर के लिए वजन कम करना बेहद मुश्किल माना जाता है। क्या विनेश फोगाट ने कैटेगरी बदलकर बड़ा रिस्क लिया? यह ऐसा प्रश्न है, जिसका उत्तर विनेश फोगाट के पास ही है।पहले नियमों की बात करते हैं। महिलाओं की फ्रीस्टाइल रेसलिंग में 50, 53, 57, 62, 68 और 76 किलोग्राम की कैटेगरी होती हैं। मुकाबले से पहले सुबह रेसलर का वजन मापा जाता है। टूर्नामेंट के दोनों दिन रेसलर को अपने वजन के भीतर रहना होता है। यदि रेसलर फाइनल में पहुंचता है तो उसे सुबह अपना वजन कराना होता है। विनेश फोगाट मंगलवार को मुकाबले के लिए जब गईं तो उनका वजन तय मानक से अधिक था।

मंगलवार रात भर विनेश फोगाट ने दौड़, स्किपिंग और साइकलिंग कर अपने वजन को कम करने की कोशिश की, जिसमें वो असफल रहीं। स्वयं इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन की अध्यक्ष पीटी उषा और विनेश फोगाट के न्यूट्रिशियन दिनशॉ पारदीवाला ने कोशिश की। उन्होंने विनेश के बाल काटे, उसके कपड़े छेटे किए। भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया ने एक चैनल से बातचीत में इसका बात का खुलासा किया कि फाइनल में जाने से पहले विनेश फोगाट का वजन दो किलोग्राम अधिक था। कोशिशों के बावजूद विनेश 1.8 किलोग्राम से अधिक वजन कम नहीं कर पाई। विनेश के ताऊ महावीर फोगाट ने भी स्पष्ट किया है कि नियमों के अनुसार फैसला लिया जाता है। एक ग्राम भी वजन ज्यादा हो जाए तो अयोग्य घोषित कर दिया जाता है।

विनेश फोगाट का यह तीसरा ओलंपिक खेल है। रियो ओलंपिक-2016 में उन्होंने 48 किलोग्राम कैटेगरी में भाग लिया था। टोक्यो ओलंपिक-2020 में वो 53 किलोग्राम कैटेगरी में खेलीं, लेकिन पेरिस ओलंपिक में आकर उन्होंने 50 किलोग्राम कैटेगरी में खेलना तय किया। यह बात सही है कि 53 किलोग्राम की कैटेगरी में खेलना थोड़ा मुश्किल होता है, क्योंकि दुनिया के बेस्ट रेसलर 53 किलोग्राम की कैटेगरी में आते हैं। किसी भी खिलाड़ी के लिए ओलंपिक पदक जितना एक बड़ा सपना होता है। देश का नाम ऊंचा होता है। पेरिस ओलंपिक में यदि विनेश फोगाट सिल्वर या गोल्ड जीततीं तो यह उनका ओलंपिक में पहला पदक होता। अब तक वो एशियाई चैंपियनशिप, कॉमनवेल्थ गेम्स, वर्ल्ड चैंपियनशिप में पदक जीत चुकी हैं। मात्र 100 ग्राम वजन के अंतर से न केवल विनेश फोगाट का सपना टूटा है, बल्कि भारत के 140 करोड़ लोगों की खुशियां भी एक झटके में उड़ गई हैं। सही मायने में विनेश फोगाट ने 53 के बजाय 50 किलोग्राम कैटेगरी में खेलकर बहुत बड़ा रिस्क लिया। यदि वो सत्य जानती थीं तो उन्हें ऐसा करने से बचना चाहिए था। पिछले दिनों दिल्ली में पहलवानों के आंदोलन को लेकर विनेश फोगाट बहुत चर्चा में रहीं। ओलंपिक में विनेश की हार-जीत खेल के बजाय राजनीतिक अखाड़े में बदल गई है। ओलंपिक भले फ्रांस की राजधानी पेरिस में हो रहे हैं, लेकिन असली कुश्ती भारत में सोशल मीडिया पर खेली जा रही है। यह बेहद चिंतनीय है। पहले तो खेल में राजनीति नहीं होनी चाहिए और यदि खेल में राजनीति आ भी जाए तो खिलाड़ियों को इनमें नहीं घसीटना चाहिए। इससे न केवल खिलाड़ी की परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है, बल्कि अन्य खिलाड़ियों का मनोबल गिरता है।

संभवतः विनेश फोगाट के लिए यह अंतिम ओलंपिक खेल है, लेकिन चैंपियन तो चैंपियन होता है। भले विनेश फोगाट 100 ग्राम वजन के चलते सिल्वर या गोल्ड से चूक गई हैं, लेकिन उन्होंने भारत के लिए जो पदक जीते हैं, उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। विनेश फोगाट का सम्मान सदैव ऊंचा रहेगा।

– साभार: यह लेखक के विचार हैं।

हर घर तिरंगा अभियान और स्वतंत्रता दिवस को जनउत्सव के रूप में मनेगा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान और स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को जन उत्सव के रूप में मनाया जाए। यह सुनिश्चित करें कि किसी भी वार्ड या ग्राम में तिरंगे झंडों की कमी ना हो, शत-प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए स्व-सहायता समूहों के माध्यम से व्यवस्था की जाए। प्रदेश में रक्षाबंधन और जन्माष्टमी का पर्व सामाजिक समरसता के भाव के साथ उत्साह और उल्लास से मनाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में जारी वर्षा को देखते हुए सावधानियां बरतने और आवश्यक निगरानी व मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समत्व भवन से प्रदेश स्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को संबोधित कर रहे थे। बैठक में नगरीय

विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव तथा प्रमुख सचिव उपस्थित थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मंत्री गण, नगरीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों तथा संभाग व जिला स्तरीय अधिकारियों ने वर्चुअल सहभागिता की।

प्रदेश में 25 हजार स्थानों पर रक्षाबंधन और सावन उत्सव की थीम पर होगा कार्यक्रम: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 10 अगस्त को लाड़ली बहनों के खातों में 1900 करोड़ रुपए की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित करेंगे। विजयपुर जिला श्योपुर में होने वाले स्व-सहायता समूहों के सम्मेलन और रक्षाबंधन कार्यक्रम में लाड़ली बहना योजना अंतर्गत अगस्त माह की राशि रुपए 1250 के साथ ही विशेष सहायता के रूप में लाड़ली बहनों के खातों में 250 रुपए अंतरित किए जाएंगे। दस अगस्त को रक्षाबंधन और सावन उत्सव की थीम पर प्रदेश में 25 हजार स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त रक्षाबंधन की थीम पर 9 अगस्त को रानी दुर्गावती महिला सरपंच सम्मेलन, 11 अगस्त को महाविद्यालय तथा एनसीसी/एनएसएस बालिकाओं से संवाद, 12 अगस्त को देवी अहिल्याबाई शहरी क्षेत्र महिला महापौर अध्यक्ष एवं पार्षद सम्मेलन तथा 13 अगस्त को प्रदेश की महिला उद्योगपति सम्मेलन होंगे। इन कार्यक्रमों में ÷एक पेड़ मां के नाम अभियान÷ के तहत पौधारोपण भी किया जाएगा। प्रतिभागियों को शासकीय हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत देशभक्ति की भावना पर केंद्रित तिरंगा यात्राएं, तिरंगा रैली, तिरंगा मैराथन, तिरंगा संगीत कार्यक्रम, तिरंगा कैनवास, तिरंगा सेल्फि और तिरंगा मेले जैसी गतिविधियां जनभागीदारी से संचालित की जाएंगी। हर घर पर तिरंगा लगाने, तिरंगे के साथ डीपी लगाने के साथ ही वेबसाइटों पर तिरंगा बैनर लगाने की गतिविधियों को जन अभियान बनाया जाएगा। देश के 78वें स्वतंत्रता दिवस पर इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में 78 फीट लंबा तिरंगा लहराया जाए।

पुलिस बैंड को कार्यक्रमों से जोड़ते हुए तिरंगा यात्राएं निकाली जाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की संकल्पना है कि 15 अगस्त और 26 जनवरी केवल एक दिन के कर्मकांड के रूप में ना मनाई जाए। यह दिवस लंबी गुलामी के बाद मिली स्वतंत्रता के प्रतीक हैं। अतः शासकीय संस्थाओं के साथ-साथ संपूर्ण समाज को साथ लेकर इन राष्ट्रीय पर्वों का आयोजन हो। इन पर्वों के समान ही हर घर झंडा अभियान की गतिविधियों का संचालन पूर्ण गरिमा के साथ किया जाए। जिला स्तर पर उपलब्ध पुलिस बैंड को कार्यक्रमों से जोड़ते हुए तिरंगा यात्राएं निकाली जाए। जिलों में स्थित शहीद स्मारकों, स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्थलों पर विशेष रूप से तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रानी दुर्गावती का 500वां जयंती वर्ष और देवी अहिल्या का 300वां जयंती वर्ष चल रहा है।

नागद्वारी मेले में भक्तों की अपार भीड़ से लगे हर-हर भोला हर-हर महादेव के जयकारे

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो। नागद्वारी मेले के सातवें दिन भी भक्तों की अपार भीड़ से पचमढ़ी में 'हर हर भोला हर हर महादेव ' के जयकारों से नागद्वार दर्शन हेतु पधारे भक्तों से पूरा पचमढ़ी भक्तिमय हो रहा है। नागद्वार पदमशेष का मार्ग पचमढ़ी से नागद्वार तक दुर्गम मार्ग होने के उपरान्त भी भक्तो की भक्ति अपार एवं श्रृद्धामय है। जिला प्रशासन द्वारा इस की गई व्यवस्था अत्यन्त सराहनीय है। पचमढी एवं नागद्वारी में साफ सफाई व्यवस्था कर मेला क्षेत्र साफ एवं सुद्धण बनाया गया है। इस वर्ष पुलिस प्रशासन द्वारा भी भक्तों की अपार भीड़ के उपरान्त भी उच्चाधिकारियों द्वारा स्वंय मौका स्थल पर खड़े रहकर मार्ग सुचारू एवं गतिमय बनाए हुए है। इसी प्रकार मेला क्षेत्र में भी पुलिस प्रशासन मुस्तैद है। इसी प्रकार चिकित्सा विभाग द्वारा निर्धारित स्थलो पर भक्तों को चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराकर कर्मठता एवं सुचारू रूप में तथा तनमन लगाकर भक्तों को सेवा की जा रही है।

पचमढ़ी हुआ भक्तिमय

महादेव मेल समिति द्वारा समस्त व्यवस्थाओं जैसे भोजन, पानी एवं सफाई हेतु लगाए सफाई कर्मियो के द्वारा मेला क्षेत्र में सफाई साफ व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। विभिन्न स्थानों पर निःशुल्क भण्डारों के संचालन स्थल में प्रशासन द्वारा सफाई कर्मी एवं चूना ब्लीचिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।दुर्गम स्थलों पर महाराष्ट्र एवं अन्य स्थानों से आए मण्डलों द्वारा भक्तों के लिए निःशुल्क नाश्ता एवं भोजन एवं आवास की व्यवस्था की गई है। जो सराहनीय है। प्रशासन ने निर्धारित मेला क्षेत्र में नियुक्त किए गए सेक्टर मजिस्ट्रेटों को किसी भी विषम परिस्थिति से निपटने हेतु संदेश का अदान प्रदान के लिये वायर लेस हैण्ड सैट प्रदान किए गए है। जिससे प्रशासन के उच्चाधिकारियों द्वारा निरन्त बैठक के आयोजित कर निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। जिसके कारण मेला व्यवस्थाएं सुचारू एवं सुव्यस्थित है। नागद्वारी में लगातार भक?तों के आने का सिलसिला जारी है।

नागद्वारी मेले के अंतर्गत नियमित की जा रही खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

1 अगस्त 2024 से पचमढ़ी में नागद्वारी मेले का आयोजन किया गया है जिसमें बडी संख्या में श्रद्धालु दर्शन हेतु पहुंच रहे हैं। इस दौरान विभिन्न प्रकार के खाद्य दुकान संचालित है। अपर कलेक्टर डी के सिंह के निर्देश पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन के खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह राणा एवं कमलेश दियावार द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानो की प्रतिदिन नियमित जांच की जा रही है। पिछले दिनों विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के 23 नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए। जिसमें बाजार स्थित किराना दुकानो से 10 विभिन्न प्रकार के नमकीन, सॉस एवं मसाले के तथा होटल नंदनवन से पनीर, तुवर दाल एवं मैदा, होटल समर हाउस से तुवर दाल काजू कतरन एवं काली मिर्च, होटल पांडव से पनीर, तुवर दाल तथा बेसन, होटल फूड विलेज से तूवर दाल तथा होटल उत्कर्ष से मैदा के नमूने जांच हेतु लिए गए, जिन्हें राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। इसके अतिरिक्त बेटा बावर्ची रेस्टोरेंट होटल पैराडाइज एवं रसोई रेस्टोरेंट की भी जांच की गई तथा मसाले के दो नमूने जांच हेतु लिए गए। कई प्रतिष्ठान बिना लाइसेंस रजिस्ट्रेशन के संचालित किया जा रहे थे। जिन पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है, इसको अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के भंडारो, कैटरिंग एवं रेस्टोरेंट की जांच नियमित रूप से की जा रही है, किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचने के लिए प्रशासन नियमित निगरानी कर रहा है। इसके अलावा खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जन जागरूकता कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण के लिए समस्त खाद्य व्यवसायियो को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

एमआरपी से अधिक मूल्य पर शराब बेचने पर हुई कार्यवाही

सिवनी मालवा/नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

नगर में लंबे समय से एमआरपी दर से अधिक मूल्य पर शराब बेचने की शिकायत लगातार सुरा प्रेमियों द्वारा की जा रही थी। वहीं उन्होंने शराब दुकानों पर निर्धारित दरों पर दी जाने वाली शराब की सूची लगाने की भी मांग की थी, जिसके चलते कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार जिला आबकारी अधिकारी अरविंद सागर के मार्गदर्शन में जिले में संचालित आबकारी केन्द्रों के नियमानुसार संचालन हेतु विशेष अभियान के तहत वृत प्रभारी, आबकारी उप-निरीक्षक सिवनी मालवा द्वारा कम्पोजिट मदिरा दुकान बानापुरा एवं कम्पोजिट मदिरा दुकान सिवनी मालवा 01 का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उक्त दोनों दुकानों से देशी मदिरा प्लेन का विक्रय अधिकतम विक्रय मूल्य (एमआरपी) से अधिक पर विक्रय होना पाया गया। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि उक्त अनियमितता पाए जाने पर वृत प्रभारी आबकारी उप-निरीक्षक वृत्त सिवनी मालवा द्वारा विभागीय प्रकरण कायम कर कार्यवाही के लिए प्रेषित किया गया। जिस पर कलेक्टर सुश्री मीना ने आबकारी अधिनियम 1915 के अंतर्गत एवं लायसेंस शर्तों का उल्लंघन होने पर, लायसेंसी द्वारा दुकान संचालन में की गई अनियमितता के लिए उक्त दोनो मदिरा दुकानें तथा कम्पोजिट मदिरा दुकान बानापुरा एवं कम्पोजिट मदिरा दुकान सिवनी मालवा 01 का एक दिवस का लायसेंस निलंबित कर दस-दस हजार रुपये की शास्ति अधिरोपित के आदेश दिए है।

सर्व समाज ने एसडीएम सरोज परिहार को सौंपा ज्ञापन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

बस स्टैंड पर निर्माण की जार ही दुकानों का मामला अब धीरे-धीरे सिवनी मालवा से लेकर जिला पशासन तक रुक कर चुका है। इसी के चलते बुधवार को सर्वसमाज द्वारा वार्ड पार्षद के खिलाफ एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है उक्त ज्ञापन में उल्लेख किया है कि राधा कृष्ण मंदिर ट्रस्ट द्वारा बनाई गई दुकानों के बारे में पार्षद द्वारा स्थानीय प्रशासन एवं समाज में भ्रामक जानकारी फैलाई जा रही है कि दुकानों के निर्माण से गोटियाँपुरा वार्ड क्रं. 14 में जलभराव की स्थिति बनेगी जो कि गलत है। इस आशय के पूर्व जन प्रतिनिधि वरिष्ठ नागरिकगणों के शपथ पत्रों व

पंचनामा इस ज्ञापन के साथ संग्लन किया है। वहीं नवनिर्मित दुकानों का जलभराव से कोई लेना देना नहीं है। इस संबंध में जो भी जानकारी पार्षद द्वारा प्रशासन को शिकायत की गई है वह गलत है।

ज्ञापन सौंपने वालों में प्रवीण अवस्थी, महेश प्रसाद, रामकिशोर तिवारी पूर्व पार्षद, पूर्व नपा अध्यक्ष राजू जैन, पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष मृगेंद्र सिंह मंडलोई गिरीश तिवारी, प्रतीक तिवारी, अवदेश तिवारी सहित अनेक लोग मौजूद थे।

नर्मदा किनारे का अद्भुत ज्योर्तिलिंग ओंकारम मलेश्वर जहां नर्मदा निरंतर शिवजी का अभिषेक करती हैं

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

शहर में इस समय सावन मास पर निरंतर धार्मिक आयोजन हो रहे है उसी कड़ी में परपंरानुसार भगवान शिव का लिंगाभिषेक श्री दुर्गा नवग्रह मंदिर में मुख्य आचार्य पं. विनोद दुबे पं. सत्येन्द्र पांडेय पं. पीयूष पांडेय द्वारा विधि विधान से किया जा रहा है। मुख्य आचार्य पं. विनोद दुबे ने मध्यप्रदेश के पूर्व निमाड़ में स्थित ओंकाराममलेश्वर ज्योर्तिलिंग की कथा को विस्तार पूर्वक बताया और भगवान शिव का पूजन अभिषेक अर्चना राजेन्द्र दुबे से संपन्न कराया।

पं. विनोद दुबे ने कहा कि रामचरित मानस में गोस्वामी तुलसीदास ने बालकांड में लिखा है कि शिवप्रिय मेकल सेल सुता सी सकल सिद्धि सुख संपत्ति रासी। रामचरित मानस की रामकथा शिवजी

को नर्मदा के समान प्यारी है। यह सब सिद्धियों की तथा सुख की राशि है।

पं. विनोद दुबे ने कहा कि मध्यप्रदेश के मांधाता क्षेत्र में बड़वाह से 13 किलोमीटर दूर ओंकारेश्वर तीर्थ क्षेत्र है जहां की पहाड़ियों का आकार ऊँ जैसा है। कई तीर्थ यात्री इस ओमकार पर्वत की भी यात्रा करते है। इस स्थान के बारे में कहा जाता है कि जब दानवों ने देवताओं को निरंतर परेशान करना शुरू किया तो शिवजी यहां पाताल से आकार शिवलिंग रूप में प्रकट हुए। उन्होंने कहा कि इस स्थान पर ब्रम्हा और विष्णु का वास भी है उन्होंने यहॉ निवास किया हैं विष्णुपुरी और रूद्रपुरी का त्रिपुरी क्षेत्र यही पर है। पुराणकाल का इतिहास बताते हुए पंण् विनोद दुबे ने कहा कि इंद्र की कृपा से युवनाष्वपुत्र मांधाता यहां राज करता था। भगवान शिव की कृपा से मांधाता ने यहां अपनी राजधानी बनाई। इसीलिए इस तीर्थ स्थान को ओंकार मांधाता भी कहा जाता है। महर्षि अगस्त की तपोस्थली भी ओंकारेश्वर रही है। यही पर आद्य शंकराचार्य ने नर्मदाष्टक की रचना की। परमार राजा ने भी यहां शिलालेख लगावाये। होल्कर रानी अहिल्या देवी ने यहां के ज्योर्तिलिंग मंदिर की मरम्मत और घाटो का निर्माण कराया।

मेट्रो एंकर पीओ/रीडर आईडी पर लंबित प्रकरण पर समय-सीमा में कार्यवाही करें

कलेक्टर ने किया सिवनी मालवा तहसील कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण

सिवनी मालवा/नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

बुधवार को कलेक्टर सोनिया मीना ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं तहसील कार्यालय सिवनी मालवा का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी सिवनी मालवा के दण्डिक प्रकरण, अपील प्रकरण, रिकार्ड दुरूस्ती संबंधी प्रकरणों को समय-सीमा में निराकरण किये जाने एवं पीओ/रीडर आईडी पर लंबित प्रकरण का समय-सीमा में कार्यवाही पूर्ण कर निराकरण करने के निर्देश दिये, तथा कलेक्टर ने तहसीलदार/नायब तहसीलदार न्यायालय का भी निरीक्षण किया। तहसीलदार/नायब तहसीलदार के न्यायालय में प्रचलित प्रकरणो की समीक्षा की गई। जिसमें कार्यालय तहसीलदार के न्यायालय में कुछ प्रकरणो में निर्धारित दिनांक की आर्डर शीट खाली होना पाई गई एवं अन्य कमिया प्रदर्शित होने पर कलेक्टर ने संबंधित तहसीलदार को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने हेतु निर्देशित किया। रीडर तहसीलदार को नक्शा तरमीम में गलतियां, न्यायिक प्रक्रिया एवं प्रकरणों का उचित पालन एवं संधारण न करने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर द्वारा उक्त

प्रकरणो में नियमानुसार कार्यवाही कर समय-सीमा में निराकरण किये जाने के निर्देश भी दिये गये। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिवनी मालवा द्वारा कलेक्टर को अवगत कराया गया, की तहसील में शामिल खसरा नंबर के 5000 खसरा दर्ज है जिसके बटाकन किये जाना संभव नही है। कलेक्टर द्वारा उक्त खसरा नंबरो के रि-इन्बोक के प्रकरण तैयार कर प्रेषित करने के निर्देश दिये। तहसील कार्यालय में रीडर कम्प्युटर ऑपरेटर की कमी से कलेक्टर को अवगत कराया गया। कलेक्टर द्वारा निराकृत प्रकरणो को विधिवत रिकार्ड रूम में सुरक्षित रखने हेतु तथा कार्यालय की साफ-सफाई, परिसर के आस-पास स्लोगन लिखवाये जाने के निर्देश दिये गये।

कलेक्टर से की शिकायत निर्माण कार्य पर लगी रोक

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

बुधवार के दिन तहसील कार्यालय का निरीक्षण करने आई कलेक्टर सोनिया मीणा को कार्यालय निरीक्षण के दौरान सिवनी मालवा नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 14 के पर्षद दीपक वाथव ने बताया की नगर में राम जानकी मंदिर ट्रस्ट द्वारा नए बस स्टैंड के पास नाले की जगह पर दुकानों का निर्माण किया जा रहा है। नाले पर दुकान बनने से वार्ड 14 के गोटिया पुरा के कई घरों को डूबने का खतरा बढ़ गया है। नाले की जगह पर

दुकान बनने से जल भराव होगा जिसका खामियाजा वार्ड वासी को भुगतना पड़ेगा। नियमानुसार नदी नालों से 30 मीटर तक निर्माण कार्य नहीं होना चाहिए। जिस पर कलेक्टर ने एसडीएम से इस पूरे मामले में निष्पक्ष जांच का कहा इस दौरान एसडीएम ने कलेक्टर को बताया कि नगर पालिका द्वारा 5 अगस्त को नोटिस जारी कर निर्माण कार्य पर रोक लगा दी गई है।

लायंस कपल और वैश्य महासम्मेलन महिला शाखा ने मनाया हरियाली तीज महोत्सव

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

लायंस क्लब इटारसी कपल और वैश्य महासम्मेलन की महिला शाखा इटारसी ने हरियाली तीज महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने हरे वस्त्र पहनकर मेंहदी लगे हाथों में हरी लाल-पीली चूडियां पहन कर भगवान शंकर और माता पार्वती की पूजा अर्चना कर पति की लंबी आयु की कामना की। सभी का हल्दी कुमकुम लगाकर स्वागत किया, साथ ही सुहाग के सामान के साथ सभी को सुहागपिटारी बांटी गयी।

सावन की रिमझिम फुहारों के बीच सबने सावन के झूले का मजा लिया। इस दौरान गीत, नृत्य, कैटवाक और व्यंजन के साथ वातावरण बहुत ही खुशनुमा हो गया। सभी ने मनोरंजक गेम्स खेले तथा तीज क्वीन प्रतियोगिता हुई जिसका फाइनल राउन्ड प्रश्नोत्तर के आधार पर विनर्स को सिलेक्ट किया। क्लब

अध्यक्ष श्रीमती श्रद्धा अग्रवाल ने कहा कि भारत त्योहारों का देश है। यहां प्रत्येक पर्व बड़े धूमधाम व खुशहाली से मनाये जाते हैं, तीज का पर्व भी इन्हीं में से एक है। इसे हरियाली तीज व कजली तीज के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार तीज का पर्व सावन मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। रामायण व महाभारत काल में भी इस पर्व का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव की प्राप्ति के लिए इस व्रत को किया था। जिससे प्रसन्न होकर भगवान भोलेनाथ ने मां पार्वती को पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। इन त्योहारों का आयोजन हमें नयी ऊर्जा से भर देता है तथा सामाजिक सहभागिता प्रदान करता है। कार्यक्रम में अध्यक्ष श्रद्धा अग्रवाल, सचिव शिल्पी, कोषाध्यक्ष रितु, प्रथम उपाध्यक्ष प्रीति दुबे, अर्चना गुप्ता, निकिता जैन, डॉ लीना बत्रा, काजल, श्रुति, वंदना, वैशाली, ज्योति, आरती, पायल, संगीता, रंजना, मीना, रेखा, भारती, डॉ.संजय, सुनील, संजय अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

मौसमी बीमारियों ने पसारे पैर प्रायवेट व सरकारी अस्पताल में लग रही भीड़

सिरोंज। इन दिनों बारिष न होने के चलते मौसमी बीमारियों ने अपने पैर पसारने लग गये है। नगर में उल्टी दस्तों सर्दी खांसी बुखार ने पेर पसार रखे है निजी क्लेनिको व नर्सिंग होमो में इन सभी बीमारियों के मरीज देखने को मिल रहे है । नगर में खाघय विभाग द्धारा दुकानो की जांच भी नही की जा रही है सढे गले फल सब्जियां दुकानों पर बेची जा रही है कारण साफ है न तों नपा इस और ध्यान दे रही है और न ही खाघय विभाग इस और ध्यान दे रहा है जिससे नगर में धडल्ले से सढी गली सब्जियां एवं फल बेचे जा रहे है । वही देखा जाए कि बारिष भी नही हो रही है कभी हल्की बूंदाबांदी होती है तों कभी तेज 10 बीस मिनट की बारिष होती है और तेज धूप के साथ गर्मी अपने तेवर बराबर दिखा रही है जिससे मौसमी परिवर्तन के चलते मौसमी बिमारियों ने अपने पैर पसार रखे है । नगर एवं आसपास अच्छी बारिश हो रही है।

नपा टीम ने जर्जर भवनों पर की कार्रवाई

इटारसी। शहर में नगर पालिका की टीम जर्जर मकानों को तोड़ने का काम कर रही है, एसडीएम के निर्देश पर इसके लिए एक टीम का गठन किया।इस कार्यवाही के दौरान एसडीएम टी प्रतीक राव, तहसीलदार के अलावा नगर पालिका का अमला भी साथ रहेगा। एसडीएम टी प्रतीक राव ने नगर पालिका की सहायक यंत्री मीनाक्षी चौधरी को निर्देश दिये है। शहर में अभी भी कई ऐसे जर्जर मकान है जिन्हें बने हुए 40-50 साल हो चुके हैं, जो क्षतिग्रस्त है। लेकिन नगर पालिका के पास इनका कोई रिकार्ड नहीं है। ऐसे में कभी भी कोई हादसा होने की सम्भावना बनी है, इस ओर भी नपा को ध्यान केंद्रीत कर इन्हे भी तोड़ना चाहिए।

छात्रावास अधीक्षक निलंबित

सिरोंज। कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने शासकीय अनुसूचित जाति महाविधालयीन बालक छात्रावास के अधीक्षक पंकज दुबे को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया है। गौरतलब हो कि आज विदिशा विधायक मुकेश टंडन ने छात्रावास का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान छात्रावास परिसर में गंदगी, अभिलेख अपूर्ण एवं कर्तव्य के प्रति उदासीनता एवं गंभीर लापरबाही परिलक्षित होने पर निलंबन की कार्यवाही की गई है। विधायक श्री टंडन के औचक निरीक्षण के दौरान साथ मौजूद रही जिला संयोजक श्रीमती पारुल जैन ने बताया कि छात्रावासीय व्यवस्थाओं में सुधार लाने हेतु पूर्व ताकीद किया गया था।निलंबित छात्रावास अधीक्षक दुबे का अतिरिक्त प्रभार भगवान सिंह मेहरा, माध्यमिक शिक्षक, अधीक्षक शासकीय अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास टीलाखेडी सौंपा गया है। निलंबन अवधि में दुबे को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा और उनका मुख्यालय जिला संयोजक, अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्यालय विदिशा नियत किया गया है।

15 अगस्त को शुष्क दिवस घोषित

सिरोंज। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को जिले में शुष्क दिवस घोषित करने का आदेश कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी बुद्धेश कुमार वैद्य के द्वारा जारी कर दिया गया है। जारी आदेश में उल्लेख है कि 15 अगस्त 2024 गुरूवार को विदिशा जिले की समस्त देशी, विदेशी मदिरा दुकानों से मदिरा विक्रय एवं मद्य भण्डारगारों से मदिरा परिवहन निषिद्व किया गया है। कलेक्टर ने जिला आबकारी अधिकारी को जारी आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए है। जारी आदेश का तामीली वृत्त से संबंधित लायसेंसो में कराने हेतु भी निर्देशित किया गया है।

499 नंबर तालाब की जमीन पर नगर पालिका का सबसे ज्यादा कब्जा

तालाब की जमीन पर नपा का कब्जा अवैध रूप से दुकानदारों को जमीन बेची

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विधायक के द्वार तालाब की भूमि को मुक्त करवाने की बात कही जा रही है , प्रशासन के द्वारा भी तालाब की जमीन अतिक्रमणकारियों के चंगुल से मुक्त करवाने की बात कही जा रही है फिर भी एक महीने से अधिक का समय भी जाने के बाद भी अतिक्रमण धारियों के कब्जे से तालाब की जमीन को प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी खाली नहीं पाए हैं । वैसे सरकारी रिकॉर्ड में तो 32 बीघा से अधिक जमीन में तालाब की भूमि है पर वर्तमान की जो स्थिति हलात में तालाब दिख रहा है उसको देखते हुए 10 से 12 बीघा ही नजर आ रहा है बाकी जगह अतिक्रमण धारियों के कब्जे में है दूसरी ओर तालाब के नाम पर नगर पालिका परिषद के द्वारा अधिकांश समय भ्रष्टाचार किया गया है । जमीन को भी हड़पने का काम किया गया है जबकि नगर पालिका को केवल देखरेख करने की जिम्मेदारी दी गई थी उसी की आड़ में 6 दुकानदारों को नियम कायदे कानून को ताक पर रख के भूमि बेचने का खेल करके लाखों का गोलमाल किया गया है। नियमों के विरोध में काम करने वाले तात्कालिक अधिकारियों और परिषद पर भी कार्रवाई होनी चाहिए पर ऐसा नहीं हो रहा है । इस समय सबसे ज्यादा कब्जा भी नगर पालिका परिषद का ही बताया जा रहा है उसके द्वारा सरकारी जमीन छोड़ने का काम नहीं किया जा रहा उल्टा समय लेकर मामले को लंबा खींचने का काम किया जा रहा है । जबकि तीन लोगों ने अतिक्रमण छोड़ने के लिए सहमति भी तहसीलदार को दे दी है । लेकिन नगर पालिका जमीन छोड़ने को अभी भी तैयार नहीं है एसडीएम के द्वारा अवैध रूप से नगर पालिका के द्वारा 6 दुकानों के लिए तालाब की भूमि आवंटन निरस्त करके तालाब की जमीन को मुक्त करवाने की बात की जा रही है।

अशोक जैन खर्च ने की शिकायत जल्द हो करवाई

सरकारी तालाब की जमीन को अतिक्रमण धारियों के चंगुल से मुक्त करवाने के लिए अशोक जैन खर्च ने एसडीएम को आवेदन देते हुए कहा कि तालाब की जमीन का सीमांकन हुए 1 महीने से ज्यादा का समय बीत गया है पर प्रशासन के द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं किया आखिर किसके दबाव में इसको लटकाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल्दी ही तालाब को मुक्त नहीं करवाया गया तो सीएम हाउस में भी इसकी शिकायत करेंगे साथ उन्होंने 499 नंबर भी सरकारी है उसकी नपती भी कराई जाए केथन डेम से लेकर तीन आम वाले श्मशान घाट जो कि केवल कागजों में है इस पर भी दबंग व्यक्ति ने कब्जा कर रखा है उसको मुक्त करवाने की मांग मांग की है।

आखिर किसके दबाव में प्रशासन नहीं कर पा रहा कार्रवाई

जब विधायक के द्वारा तालाब के सीमांकन करवाने से लेकर अतिक्रमण धारी से जमीन को मुक्त करवाने की बात कही जा रही है इसके बाद भी प्रशासन कछुआ चाल की तरह तालाब की जमीन को मुक्त करवाने का काम क्यों कर रहा है। जिसको लेकर कई तरह के सवाल भी प्रशासन पर खड़े हो रहे हैं । आखिर किसके दबाव में प्रशासन समय पर समय देने का काम कर रहा है ।पहले सीमांकन की रिपोर्ट आने में काफी समय बीत गया अब अतिक्रमण धारियों से जमीन खाली करवाने में भी उसी तरह से कार्य किया जा रहा है।

इनका कहना है

हमने प्रशासन को जल्द ही तालाब की जमीन को मुक्त करवाने तथा 499 नंबर जो सरकारी है उसका सीमांकन क्यों नहीं किया जा रहा है यहां भूमि माफियाओं के पास उसके संबंध में भी आवेदन दिया है।

***अशोक जैन** खर्च*

तीन लोगों ने तो जवाब दे दिया और वह जमीन छोड़ने को तैयार है पर नगर पालिका ने अभी अपनी सहमति नहीं दी है उनका जवाब आया है जल्दी ही हम तालाब की जमीन को अतिक्रमणकारियों से मुक्त करवाएंगे

***संजय चौरसिया** तहसीलदार*

नगर पालिका ने जो जमीन 6 दुकानदारों को दी है उसका आवंटन भी हम निरस्त कर रहे हैं 499 नंबर का भी सीमांकन कराएंगे तालाब की जमीन पर जिनका भी कब्जा है उसको मुक्त करवाने की प्रक्रिया तेज गति से करवाई जाएगी ।

***हर्षल चौधरी** एसडीएम*

आधार अपडेशन कार्यों से लाभान्वित हो रहे आवेदक

सिरोंज। गुलाबगंज तहसील कार्यालय में नवीन आधार कार्ड बनाने एवं अपडेशन के लिए पृथक से स्टॉल संचालित किया जा रहा है। लोक सेवा केन्द्र आधार सुपरवाइजर श्री अजय लोधी ने दो मिनट में ग्राम मुंगवारा की आवेदिका श्रीमती कलाबाई का मोबाइल नंबर से लिंक अपडेशन कार्य 50 रुपए शुल्क जमा कर कराया गया है।

राजस्व महाअभियान तहत खसरा नंबर में आधार नम्बर जरूरी है। दर्ज मोबाइल पर के ओटीपी आती इस कारण से तथा शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्ति में कोई व्यवधान ना हो इस लिए मैं स्वयं केन्द्र पर पहुंच कर इस महत्वपूर्ण कार्य को करा रही ऐसा उन सभी को करना जरूरी जिनके द्वारा अब तक नहीं कराया गया है जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट उक्त संपूर्ण प्रक्रिया के दौरान मौजूद रहे। उन्होंने आवेदिका से जाना यहां क्यों और किस काम से आना हुआ वहा आधार सुपरवाइजर अजय सिंह लोधी से शुल्क 50 रुपए लेने तथा अन्य जानकारी जैसे दिन भर में कितने आधार कार्ड नए बनाने एवं अपडेशन के संबंध में पूछताछ की है।

नगर में लगता है बार-बार जाम, पार्किंग स्थल न होने के कारण बन रही जाम की समस्या

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर में इन दिनों चारो और जाम की समस्या से लोग काफी परेषान है मगर स्थानीय प्रषासन द्धारा कोई पहल नही की जा रही है जिससे आम जन काफी जाम से परेषान है । जिसमे कोर्ट गेट से लेकर छोटा बाजार चॉदनी चौक बढा बजार ढाल बाजार कष्टम पथ छत्री चोराहा बासौदा नाका हाजीपुर काला बाजार में चारो और मोटर साईकल खडी रहती है जिससे कोई भी चार पहिया वाहन गुजरने के लिए घंटो खडा रहता है जिससे रोड पर दोनो और जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है और आम जन काफी मषक्कत के बाद जाम हटने का इंतेजार करते है फिर जाम खुलजाने के बाद निकल पाते है । वही यातायात पुलिस द्धारा दिन भर बाजार में रहकर जाम की समस्या को खत्म करने का प्रयास करते है मगर बाजार में अतिक्रमण के कारण बाजार सकडा होता जा रहा है जिससे मोटर सायकल के कारण बाजार मे जाम की समस्या उत्पन्न होती रहती है वही पार्किंग स्थल न होने के कारण यह समस्या उत्पन्न होती है अगर नगर मे पार्किंग की व्यवस्था हो जाती है तों जाम की समस्या से छूटकारा मिल सकता है।

कई बार बैठको में समाजसेवी संघ संगठन करा चुके है अवगत - ज्ञात रहे कि कई बार षांति समिति की बैठक में षहर के गणमान नागरिको समाज सेवी संघ संगठन द्धारा जिम्मेदार अधिकारियों को ष्षहर में जाम की समस्या से अवगत करा चुके है मगर जिम्मेदार अधिकारी द्धारा जाम की समस्या पर कोई हल नही निकाल पा रहे है जिससे आम जन काफी परेषानियों से जुझ रहे है वही एसडीएम हर्षल चौधरी के प्रयास से जाम की समस्या खत्म होने के लिए प्रयासरत है जल्द ही जाम की समस्या से छुटकारा मिल सकता है ।

चारो और हाथ ठेले जिससे लगता है जाम

नगर में चारो और हाथ ठेला चालक ही नजर आ रहे है जिससे रोड के दोनो और हाथ ठेला चालक अपनी मन मर्जी से व्यवसाय कर रहे है और रोड पर हाथ ठेला खडा कर जाम की समस्या उत्पन्न कर रहे है हाथ ठेला चालको द्धारा रोड को दोनो और ठेला खडा कर देते है मगर प्रषासन द्धारा कोई कार्यावाही नही की जा रही है ।

दुकान के सामने खडा करते है वाहन और करते है खरीदी - मुख्य बाजार में रोड पर दोनो और खरीदार अपने वाहन रोड पर खडे कर खरीदारी करते है और दुकानदार भी साईड में वाहन नही खडे करवाते है जिससे मुख्य बाजार में जाम लग जाता है । वही चार पाहिया वाहन अगर मुख्य बाजार से निकल जाए तो कई घंटो जाम फसा रहता है

पार्किंग स्थल न होने के कारण होती है समस्या

यहां देखा जाए कि नगर मे चारो और वाहनो की आवाजाही निरंतर होती रहती है मगर प्रषासन द्धारा नगर में पार्किंग व्यवस्था न होने के कारण जाम की समस्या उत्पन्न होती रहती है । वही देखा जाए कि अगर नगर में पार्किंग व्यवस्था हो जाती है तों नगर को जाम की समस्या से निजात मिल सकता है।

शुगर व बीपी जांच, कलेक्टर सहित कईयों ने शिविर में पहुंचकर स्वयं का परीक्षण कराया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नीति आयोग द्वारा चिंहित आकांक्षी जिले एवं विकासखंडों में चयनित 6-6 मापदंडों का शत् प्रतिशत क्रियान्वियन किया जाना है। इसी कड़ी के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा हरेक नागरिक का बीपी एवं शुगर की फ्री जांच पड़ताल कार्य के लिए आज बासौदा नगरपालिका क्षेत्र के सभी वार्डो में एक साथ ततसंबंधी शिविरों का आयोजन किया गया था।

कलेक्टर जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट तथा अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने भी संयुक्त रूप से बासौदा के थाना परिसर में जारी शिविर का जायजा लिया और वहां मौजूद नागरिक जिनके द्वारा जांच कराई जा रही थी उन से चर्चा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया है। कलेक्टर ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि नीति आयोग के द्वारा निर्धारित पैरामीटर के क्रियान्वयन में कहीं चूक ना हो का विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कलेक्टर ने बताया कि संपूर्णता अभियान के तहत तीन माह के लक्ष्य तय किए गए हैं। इन लक्ष्यों का माह वार क्रियान्वयन विभाग द्वारा स्वयं तय किया जा रहा। जिले के स्वास्थ्य विभाग द्वारा पिछले माह के लक्ष्यों की शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल नहीं की जा सकी थी इस कारण से विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने कहा कि हर नागरिक पूर्ण स्वस्थ रहें उनके स्वास्थ्य परीक्षण के पैरामीटर्स के तहत जांच व परीक्षण डाक्टरों द्वारा किया जा रहा ताकि भविष्य में कोई गंभीर बीमारी होने से पहले वह जांच के माध्यम से पता चल सके और उस बिमारी का प्रारंभिक स्तर पर ही संपूर्ण इलाज हो जाए। नीति आयोग के द्वारा निर्धारित स्वास्थ्य लक्ष्यों जिला व बासौदा विकास खंड पिछड़ ना पाए यह हम सब का लक्ष्य है। बासौदा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीतू ने कहा कि अब पहले ज्यादा सुविधाएं स्वास्थ्य के क्षेत्र में होती जा रही ।

चिकित्सको से संवाद

जिपं सीईओ डॉ योगेश भरसट ने जारी स्वास्थ्य शिविर में पहुंचकर डाक्टरों से विभिन्न मुददो पर चर्चा कर उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में पूछताछ की है उनके द्वारा शिविर में शामिल नागरिकों से संवाद कर आयोजन के उद्देश्य को रेखांकित किया गया है।

कलेक्टर ने स्वयं कराया परीक्षण

बासौदा के पुलिस थाना परिसर में जारी स्वास्थ्य शिविर का जायजा लेते समय कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने भी स्वंय की शुगर और रक्तचाप की जांच कराई है। इसी प्रकार जनपद अध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी शिविर से लाभान्वित हुए हैं। शिविर स्थल पर अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, एसडीएम श्री विजय कुमार राय के आलावा जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी, गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर — नगर में आवारा मवेशियों का जमावडा, सांडो की धमाचौकडी बीच सड़कों पर लड़ते

आवारा सांड व कुत्तों के आतंक से आमजन परेशान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर में आवारा कुत्तो के आतंक से आमजन परेषान है नगर में हर मुख्य मार्ग हर गली मोहल्ले में काफी तादात में कुत्ते दिखाई देगे रात के समय में रोडो पर मोटर सायकल के पीछे लग जाते है कई बार तों ऐसा भी हुआ है कि मोटर सायकल चालक कुत्तों के कारण गिर भी गये है सरकारी कार्यालयों मे भी आवारा कुत्तो का जमावडा लगा रहता है । गत दिनो पहले नगर में एक वीडियो वायरल भी हुआ था जिसमे उन्होने कहा था कि नगर में कुत्तों की ज्यादा संख्या हो गई है मगर नगर पालिका कुछ नही कर रही है । वीडियो में उन्होने कहा था कि मुझे भी कुत्ते ने काट लिया है और कई लोगो को भी कुत्ते काट रहे है इसके बाद भी जिम्मेदार अधिकारी कुछ नही कर रहे है ।

जहां देखे वहां आवारा सांड बीच सड़क पर नही हटते हार्न से भी - नगर में जहां देखो वहां आवारा सांड दिखाई देगे और मुख्य बाजार में तों एक नही तीन चार सांड दिनभर घूमते हुए भी दिखाई देगे इन सांडो के कारण सब्जी ठेले बहुत परेशान है और सब्जी ठेले वालो का आये दिन आवारा सांड नुकसान कर रहे है । मगर जिम्मेदार अधिकारियों द्धारा आवारा सांडो का कुछ नही किया जा रहा है । कई बार मुख्य बाजार में आपस में सांड लडते हुए भी दिखाई देगे सांड इतना खतरनाक आपस मे लडते है कई बार सांड लडते समय कई मोटर सायकल चालक गिर गये है रोडो पर खडी मोटर सायकल भी इन सांडो की लडाई मे गिर गई है उन मोटर सायकल का भी काफी नुकसान हुआ है मगर जिम्मेदारो का बिल्कुल भी ध्यान नही है जिससे आमजन आये दिन परेशान है ।

अधिक संख्या में आवारा गाय भी सडको पर नही भेजा गोषाला - वही जिला कलेक्टर द्धारा पूर्व में भी एक पत्र जारी किया गया था जिसमें उल्लेख किया गया था कि आवारा गायो को गौशाला भेजा जाए । गौरतलब हो कि नगर के मुख्य मार्गो पर आवारा गायो का जमावडा लगा रहता है जिससे बडे वाहनो को रात के समय अधिक परेशानी होती है सडक के बीचो बीच आवारा गायो का जमावडा लगा रहता है जिससे वाहन चालक काफी परेषान रहते है वाहन चालक स्वयं उतरकर उन गायो को हटाना पडता है जब कही जाकर अपना वाहन निकाल पाते है । दिन भर आवारा गायो का जमावडा लगा रहता है मगर जिम्मेदार अधिकारियों को इस और बिल्कुल भी ध्यान नही है ।

इनका कहना है -

आवारा कुत्तों को नगर से बाहर करने की कार्यावाही की जावेगी और आवारा सांडो को भी गौशाला भेजा जाएगा जिससे नगर के लोगो को राहत मिल सके ।

***पवन शर्मा**, सीएमओं*

विदिशा जिले में 1.2 मिमी वर्षा हुई, पांच तहसीलों में वर्षा दर्ज नहीं की गई

सिरोंज। जिले में इस वर्ष अब तक 728.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज हो चुकी है आज बुधवार को 1.2 मिमी वर्षा दर्ज हुई है। अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती कृष्णा रावत ने बताया कि जिले की तहसीलो में स्थापित वर्षामापी यंत्रो पर आज बुधवार सात अगस्त की प्रातः आठ बजे दर्ज हुई वर्षा तदानुसार विदिशा में छह मिमी, कुरवाई में 2.6 मिमी, नटेरन में 2.0 मिमी, शमशाबाद में 0.5 मिमी तथा पठारी तहसील में एक मिमी वर्षा दर्ज हुई है। जबकि बासौदा, सिरोंज, लटेरी, ग्यारसपुर तथा गुलाबगंज तहसील में वर्षा नगण्य रहीं।

1 दिन में 3 फाइट, एनर्जी के लिए बीच में खाना-पीना पड़ा, इसी से बढ़ा रेसलर विनेश फोगट का वजन

पेरिस. एजेंसी

भारतीय रेसलर विनेश फोगट को 50 रेसलर के गोल्डन मेडलिस्ट को सुबह-सुबह अयोग्य घोषित कर दिया गया, क्योंकि उनका वजन सीमा लगभग 100 ग्राम से अधिक था। ऐसा तब हुआ जब उन्होंने रात को जॉगिंग, स्किपिंग और साइकिलिंग की ताकि अतिरिक्त वजन कम किया जा सके और मोटापे को पूरा किया जा सके। असल में, उन्हें मेडिकल सेंटर ले जाया गया क्योंकि उन्हें आहार आहार के कारण चक्कर आ रहे थे। 1 दिन में 3 फाइट, एनर्जी के लिए बीच में खाना-पीना पड़ा, इसी वजह से रेसलर विनेश फोगट का वजन बड़ा। ऐसा लगता है कि अधिकांश खिलाड़ियों को वजन वाले कैप्सूल की अवधि बनाए रखने की आवश्यकता होती है, क्योंकि उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन पानी और मादक द्रव्यों के सेवन को नियंत्रित करना होता है, साथ ही यह भी सुनिश्चित होता है कि उनका वजन कम हो जाता है और उनका वजन कम हो जाता है। की अवधि प्रभावित न हो। आम तौर पर पानी और तरल पदार्थों में ही अंतिम कुछ मात्रा में वजन कम होता है, जिसमें वजन को भी शामिल किया जाता है।

तेजी से वजन में उतार-चढ़ाव आम बात है!

एथेंस ओलंपिक और 2006 एशियाई खेलों में कुश्ती दल के आधिकारिक टीम डॉक्टर डॉ. पीएसएम चंद्रा ने कहा, हालांकि एक दिन में एक से डेढ़ किलो वजन में उतार-चढ़ाव संभव है, लेकिन यह एक अनुभवी पेशेवर है। पहलवान हमेशा एक मार्जिन रखते हैं ताकि आधिकारिक वजन के बाद वे फिर से वजन बढ़ा सकें। वे आमतौर पर उपवास करते हैं और अपने वजन से पहले की रात को पानी भी नहीं पीते हैं। यहां तक कि एक लीटर पानी पीने से भी कुछ समय के लिए शरीर का वजन बढ़ सकता है, लेकिन जैसे ही खिलाड़ी शौच करते हैं, यह कम हो जाता है।

जेवलिन-थ्रो फाइनल, 2 दिन पहले 89.34 मीटर भाला फेंका

गोल्डन आर्म नीरज चोपड़ा से आज गोल्ड की उम्मीद

पेरिस, एजेंसी

'द मैन विद गोल्डन आर्म' कहे जाने वाले नीरज चोपड़ा आज पेरिस ओलिंपिक में मेंस जेवलिन थ्रो इवेंट के फाइनल में हिस्सा लेंगे। 26 साल के नीरज ने 2 दिन पहले क्वालिफिकेशन में पहले प्रयास में 89.34 मीटर भाला फेंका था और पहले स्थान पर रहे। ऐसे में भारत को उनसे गोल्ड मेडल की उम्मीद होगी। नीरज चोपड़ा का इवेंट रात 11:55 बजे से होगा। मुकाबले में नीरज के सामने ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स, जर्मनी के जूलियन वेबर और पाकिस्तान के अहमद नदीम जैसी चुनौतियां होंगी।

एक सवाल...क्या लगातार दूसरा गोल्ड जीत पाएंगे नीरज

नीरज चोपड़ा डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर उतर रहे हैं। 140 करोड़ से ज्यादा भारतीय फैंस नीरज से गोल्ड मेडल की उम्मीद लगाए बैठे हैं। ऐसे में सवाल है कि क्या वे टोक्यो का प्रदर्शन दोहरा पाएंगे। आज जीतने पर नीरज लगातार दो ओलिंपिक गोल्ड जीतने वाले भारत के पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। दुनिया भर के जेवलिन थ्रोअर की बात करें तो अब तक 4 जेवलिन थ्रोअर ही अपना गोल्ड बचा सके हैं। इनमें एरिक लेमिंग (स्वीडन 1908 और 1912), जोन्नी माइरा (फिनलैंड 1920 और 1924), चोपड़ा के आदर्श जान जेलेंजी (चेक गणराज्य 1992 और 1996) और आंद्रियास टी (नॉर्वे 2004 और 2008) ही लगातार दो ओलिंपिक गोल्ड जीत सके हैं।

नीरज की करेंट फॉर्म

इस साल 3 टूर्नामेंट में उतरे, 2 में गोल्ड जीता ओलिंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने इस साल 3 टूर्नामेंट ही खेले हैं और तीनों में मेडल जीते हैं। उन्होंने इस साल दोहा डायमंड लीग में सिल्वर, नेशनल फेडरेशन कप में गोल्ड और पावो नूरमी गेम्स में गोल्ड मेडल हासिल किए हैं। इस साल सभी थ्रो 80 पार रहे नीरज चोपड़ा अच्छी फार्म में हैं। वे लगातार 80 मीटर से ज्यादा भाला फेंकने की क्षमता रखते हैं। टॉप-5 थ्रो में सभी 88 मीटर से ज्यादा के हैं। नीरज टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। 2 दिन पहले पेरिस ओलिंपिक के क्वालिफिकेशन में भी पहले प्रयास में 89.34 मीटर स्कोर किया था और क्वालिफिकेशन में पहले स्थान पर रहे।

यह रहेंगे कॉम्पीटीटर

एंडरसन पीटर्स: 2 दिन पहले 88.63 मीटर स्कोर किया है। यह उनका सीजन बेस्ट है। वे क्वालिफिकेशन में नंबर-2 पर रहे। दो बार के वर्ल्ड चैंपियन हैं। ओरेगॉन 2022 के सीजन में नीरज को हराकर गोल्ड जीता था। ग्रेनेडा के पीटर्स का ऑलटाइम बेस्ट 93.07 मीटर है।

जूलियन वेबर: जर्मनी के जूलियन ने 87.76 मीटर भाला फेंककर फाइनल में जगह बनाई है। वे तीसरे स्थान पर रहे।

अरशद नदीम: क्वालिफिकेशन में 86.59 मीटर स्कोर किया, जो सीजन का बेस्ट परफॉर्मेंस है। पाकिस्तानी स्टार ने पिछले साल वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर और कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में गोल्ड जीता है।

याकुब वाडलेज्च: वाडलेज्च डायमंड लीग के डिफेंडिंग चैंपियन हैं। वहां नीरज को हराया था। पेरिस के क्वालिफिकेशन में 85.63 मीटर के स्कोर करके नंबर-7 पर रहे।

प्रो कबड्डी लीग सीजन: 15 व 16 अगस्त को मुंबई में होगी नीलामी

मुंबई. एजेंसी

एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता पवन सहरावत और प्रदीप नरवाल उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन पर प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) की 15 और 16 अगस्त को यहां होने वाली नीलामी में बोली लगाई जाएगी। पीकेएल ने मंगलवार को सीजन 11 के लिए 'एलीट रिटेन खिलाड़ी', 'रिटेन युवा खिलाड़ी' और 'मौजूदा नए युवा खिलाड़ी' वर्ग में शामिल खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की। 88 खिलाड़ियों को तीन श्रेणी में बांटा कुल 88 खिलाड़ियों को तीन श्रेणियों में रखा गया, जिनमें से 22 एलीट रिटेन प्लेयर्स श्रेणी से, 26 रिटेन यंग प्लेयर्स श्रेणी से और 40 मौजूदा नए युवा खिलाड़ी हैं। ए श्रेणी के लिए 30 लाख रुपए बेस प्राइज रखा गया है, जबकि बी श्रेणी के लिए 20 लाख, सी श्रेणी 13 लाख और डी श्रेणी के लिए 9 लाख रुपए बेस प्राइज है।

पार्ल रॉयल्स के लिए खेलेंगे दिनेश

नई दिल्ली. एजेंसी

दिनेश कार्तिक अगले साल नौ जनवरी से शुरू होने वाले एसए-20 टूर्नामेंट में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलेंगे। वह इस टूर्नामेंट में खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी होंगे। कार्तिक ने इस वर्ष जून में अपने 39वें जन्मदिन पर संन्यास लेने की घोषणा की थी। उसके बाद एसए-20 कार्तिक का पहला टूर्नामेंट होगा। कार्तिक ने भारत के लिए 180 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। कार्तिक ने कहा, दक्षिण अफ्रीका में मेरी बहुत ही अच्छी यादें रही हैं और मेरे सामने जब यह मौका आया तो मैं मना नहीं कर सका। मैं प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के लिए उत्साहित हूं। कार्तिक ने अब तक कुल 401 टी-20 मैच खेले हैं। आइपीएल में वह कोलकाता नाइट राइडर्स सहित छह टीमों का हिस्सा रहे हैं।

पोनप्पा भड़कीं - खुद जवाबदेही से बचने को दूसरे को दोषी नहीं बना सकते

नई दिल्ली. एजेंसी

पेरिस ओलंपिक के बैडमिंटन कांस्य पदक मुकाबले में लक्ष्य सेन की हार के बाद खिलाड़ियों के प्रयासों की महान खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण द्वारा आलोचना ने बैडमिंटन बिरादरी को विभाजित कर दिया है। युगल खिलाड़ी अश्विनी पोनप्पा ने कहा कि उनकी टिप्पणियां 'खुद की जवाबदेही से बचने के लिए दूसरों पर दोष मढ़ने जैसा है'। सेन सोमवार को शुरुआती गेम जीतने के बाद हार गए और कांस्य पदक जीतने से चूक गए। स्तब्ध पादुकोण ने कहा था कि अब समय आ गया है कि खिलाड़ी दबाव का सामना करना सीखें, जवाबदेह बनें और सरकार से पूरा समर्थन मिलने के बाद परिणाम देना शुरू करें। इस पर पोनप्पा ने पोस्ट किया, यह देखकर निराशा हुई। अगर कोई जीतता है, तो हर कोई श्रेय लेने के लिए तैयार रहता है। अगर वे हार जाते हैं, तो यह सिर्फ खिलाड़ी की गलती कैसे है?

मेट्रो बाजार

कपड़ा क्षेत्र को हो सकता है लाभ हर माह 40 करोड़ डॉलर बढ़ेगा निर्यात!

नईदिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश के सियासी संकट के कारण भारत के निर्यात को तगड़ा झटका लग सकता है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, वित्त वर्ष 2023-24 में दोनों देशों के बीच 13 अरब डॉलर (करीब 1.10 लाख करोड़ रुपए) का द्विपक्षीय व्यापार हुआ, जिसमें बांग्लादेश के साथ भारत का आयात कम और निर्यात ज्यादा है। भारत ने बांग्लादेश को 11.1 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि आयात केवल 1.8 अरब डॉलर रहा। चालू वित्त वर्ष में इसके बढ़ने की संभावना थी। बांग्लादेश में तख्तापलट से दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध पर गहरा असर पड़ेगा। इससे कपास निर्यात घट सकता है। बांग्लादेश संकट के बाद वहां का कपड़ा उद्योग अब तमिलनाडु के तिरुपुर जैसे शहर में शिफ्ट हो सकता है। जानकारों ने कहा, बांग्लादेश से जितना कपड़ा एक्सपोर्ट होता है, अगर उसका 10-11 फीसदी हिस्सा भी तिरुपुर जैसे शहरों की तरफ मुड़ जाए तो भारत कपड़ा निर्यात में हर महीने 30 से 40 करोड़ डॉलर यानी करीब 2515 से 3354 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हो जाएगी। बांग्लादेश से हर महीने 3.5 से 3.8 अरब अमरीकी डॉलर के टेक्सटाइल का एक्सपोर्ट होता है। इसमें अमरीका-ब्रिटेन और यूरोपियन संघ के देश शामिल हैं। जबकि भारत का अपैरल और टेक्सटाइल एक्सपोर्ट केवल 1.3 से 1.5 अरब डॉलर के बीच है। जानकारों के मुताबिक बांग्लादेश संकट के कारण दुनियाभर के कारोबारी भारत में अपने ऑर्डर की संख्या बढ़ाएंगे। क्रिसमस सीजन के लिए अमरीका और यूरोपीय बाजारों से रेडीमेड कपड़ों के बड़े ऑर्डर बांग्लादेश के पास हैं, जो अब भारत को मिल सकते हैं। साथ ही बांग्लादेश में जिन भारतीयों की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगी हैं, वे भारत शिफ्ट कर सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो न केवल कपड़ा उद्योग बढ़ेगा, बल्कि लोगों को रोजगार के अधिक अवसर भी मिलेंगे।

खाद्यान्नों में मिलावट का पता लगाने के लिए पतंजलि करेगी नई रिसर्च

नईदिल्ली, एजेंसी

वर्तमान समय में देश में खाद्यान्न की मिलावट एक भयंकर चुनौती है और आज उसके भयानक परिणाम के रूप में अनेक बीमारियां सबके सामने हैं। देश के खाद्यान्न में कीटनाशकों (प्रेस्टिसाइज) और रसायनों (केमिकल्स) का पता लगाने के लिए पतंजलि ने एक नया अनुसंधान किया है जिसको प्रसिद्ध रिसर्च जर्नल 'माइक्रोकेमिकल जर्नल' ने प्रकाशित किया है। इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि इस अनुसंधान के माध्यम से अब लोग स्वयं खाद्य की गुणवत्ता का विश्लेषण कर खाद्य सुरक्षा करने में सक्षम हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे आर्थिक लाभ के कारण लोग बिना दुष्परिणाम सोचे खाद्य पदार्थों में मिलावट कर रहे हैं जिस कारण खाद्य पदार्थ दूषित हो गए हैं। दालें, अनाज, दूध, मसाले, घी से लेकर सब्जी व फल तक सभी में मिलावट की जा रही है। शरीर पुष्ट के लिए हम विशेष रूप से खाद्यान्न पर ही निर्भर हैं। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए नियमित मात्रा में प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट्स, विटामिन तथा खनिज लवण आदि की आवश्यक होती है जो हम खाद्यान्नों से ही प्राप्त करते हैं। उन्होंने बताया कि खाद्यान्न में मिलावट के खेल को समाप्त करने के लिए पतंजलि ने मिलावट रहित स्वदेशी खाद्य उत्पाद तो तैयार किए ही हैं साथ ही पतंजलि का यह नवीन अनुसंधान मिलावटी खाद्यान्न से मुक्ति दिलाएगा।

मनोरंजन — बॉलीवुड का कोना

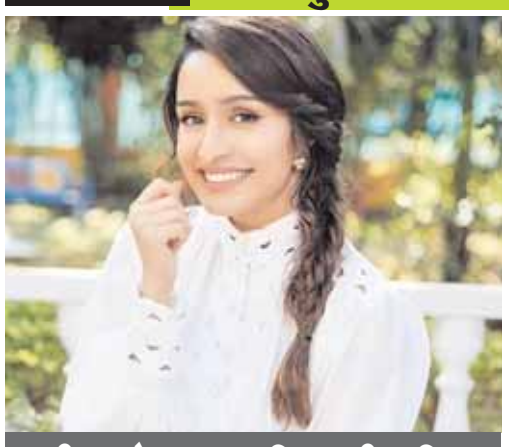

'स्त्री 2' के बाद नागिन की भूमिका में नजर आएंगी श्रद्धा कपूर

इन दिनों श्रद्धा कपूर अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म स्त्री 2 को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म के प्रमोशन में लगातार व्यस्त श्रद्धा की कई फिल्में इस साल तो कुछ अगले साल रिलीज होंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रद्धा की आने वाली फिल्मों में स्त्री 2 के बाद स्त्री 3 से लेकर टाइम ट्रेवल पर आधारित फिल्म शामिल है। यही नहीं बल्कि एक फिल्म में श्रद्धा कपूर नागिन के किरदार में भी नजर आ सकती हैं। सबसे पहले बात करते हैं श्रद्धा की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म स्त्री 2 की। इस फिल्म में श्रद्धा के अलावा राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। स्त्री 2 अमर कौशिक द्वारा निर्देशित और मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियो के बैनर तले दिनेश विजन और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित है। यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। बता दें यह फिल्म 2018 में आई स्त्री की अगली कड़ी है। यह मैडॉक सुपरनैचुरल यूनिवर्स की पांचवीं किस्त है। फिल्म 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। स्त्री 2 के बाद श्रद्धा की फिल्म स्त्री 3 भी आएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, स्त्री 2 के प्रमोशन के दौरान ही स्त्री 3 बनाने की घोषणा की जा चुकी है। हालांकि अभी तक समय और साल निर्धारित नहीं किया गया है कि स्त्री 3 कब आएगी। लेकिन प्रशंसकों में स्त्री और फिर स्त्री 2 की उत्सुकता को देखते हुए फिल्म निर्माताओं ने इस फिल्म की तीसरी किस्त लाने का फैसला किया है। अब बात करते हैं श्रद्धा कपूर की एक और आने वाली फिल्म की, जो टाइम ट्रेवल पर आधारित है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रद्धा एक टाइम ट्रेवल पर आधारित फिल्म में नजर आएंगी। बहरहाल, फिल्म का नाम अभी तक तय नहीं हुआ है और ना ही फिल्म की बाकी स्टारकास्ट के बारे में कोई जानकारी सामने आई है, लेकिन इतना जरूर तय है कि इस फिल्म में श्रद्धा कपूर जरूर नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नागिन नाम की फिल्म या फिर फिल्म में नागिन के किरदार में श्रद्धा दिखाई देंगी। यह किरदार पहले दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी ने निभाया था। हालांकि श्रद्धा कपूर के लिए यह रोल आसान होने वाला नहीं है।

खुद को भाग्यशाली मानते हैं एक्टर विनीत फिर दिखेगी अनुराग के साथ जुगलबंदी

विनीत कुमार सिंह, साल 2018 की फिल्म मुक्काबाज में मशहूर निर्देशक अनुराग कश्यप के साथ काम कर चुके हैं। अब एक बार फिर दोनों साथ काम कर रहे है। इसके अलावा वह कई फिल्मों से जुड़े हुए हैं, इस बीच अभिनेता ने एक खास वजह से खुद को भाग्यशाली बताया है। विनीत कुमार सिंह हिंदी फिल्मों के अभिनेता सह लेखक हैं। उन्हें साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म मुक्काबाज के लिए जाना जाता है। इस फिल्म को मशहूर निर्देशक अनुराग कश्यप ने निर्देशित किया था। अब एक बार फिर निर्देशक और अभिनेता की ये जोड़ी साथ में काम करने वाली है। इस फिल्म के लिए विनीत कुश्ती सीख रहे हैं। विनीत ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि वह अनुराग कश्यप के साथ एक बार फिर काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने अनुराग कश्यप के साथ गैंग्स ऑफ वासेपुर और बॉम्बे टॉकीज जैसी फिल्मों में काम किया है। अभिनेता ने निर्देशक के साथ दोबारा से काम करने को लेकर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि वह खुद को इस बात के लिए भाग्यशाली मानते हैं कि निर्देशक और निर्माता उन्हें दोहराना पसंद करते हैं। 'मुक्काबाज' अभिनेता ने फिल्म को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि वह इस फिल्म के लिए कुश्ती सीख रहे हैं। उन्होंने कहा, अभी, मैं अनुराग सर के साथ काम कर रहा हूं। यह एक अलग तरह की फिल्म है, इस फिल्म के लिए मैं कुश्ती सीख रहा हूं और शूटिंग जारी है। अभिनेता ने आगे बताया कि फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा हो गया है। बताते चलें कि विनीत जल्द ही सुसी गणेशन की आगामी फिल्म घुसपैठिया में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आने वाले हैं। अभिनेता ने मुक्काबाज के लिए लिए गए प्रशिक्षण और उसके बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन को लेकर भी बात की है। उन्होंने कहा कि फिल्म की असफलता ने उन्हें काफी प्रभावित किया था। उन्हें इस फिल्म से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन चीजें वैसी नहीं हुईं,जैसा वो चाहते थे। उन्होंने कहा कि वह पहले कई इंटरव्यू में भावुक हो जाते थे, वह फिल्म के परिणाम को अपनी कड़ी मेहनत से जोड़ कर देखते थे। अभिनेता ने आगे कहा कि अब उन्होंने इसे लेकर अपने अंदर परिवर्तन किया है।

एक्टर जायद खान बोले- 'मल्टीस्टारर फिल्मों में काम करने से हुआ नुकसान

हाल ही में एक्टर जायद खान ने अपने करियर डाउनफॉल के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि मल्टी-स्टारर फिल्मों ने उनके करियर को नुकसान पहुंचाया। जूम को दिए इंटरव्यू में जायद ने कहा, मैंने अपनी स्टारडम को हल्के में लिया और उन लोगों की नहीं सुनी जिन्होंने मुझे सिंगल-हीरो फिल्मों में काम करने की सलाह दी थी। जब आप मार्केट में होते हैं, तो आपको साबित करना होता है कि आप एक फिल्म को अपने कंधों पर उठा सकते हैं। एक्टर ने आगे कहा, जब कई अभिनेता एक साथ होते हैं, तो बजट को सही ठहराने के लिए फिल्में बनती हैं। शायद मैंने जल्दी ही बड़े बजट फिल्मों में कदम रख दिया। मुझे पहले अपना ब्रांड बनाना चाहिए था। मुझे इस बात का अफसोस है। कुछ फिल्में हिट नहीं हुईं। कौन 'ब्लू' जैसी फिल्म साइन नहीं करेगा? बता दें, जायद खान ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत फिल्म चुरा लिया है तुमने से की थी। फिल्म में उनके साथ ईशा देओल थीं। लेकिन असली पहचान उन्हें फराह खान की फिल्म मैं हूं ना से मिली, जिसमें शाहरुख खान मुख्य भूमिका में थे। मैं हूं ना की सफलता के बाद, जायद ने ब्लू, फाइट क्लब, दस जैसे कई मल्टी-स्टारर फिल्मों में काम किया। लेकिन ये फिल्में उनके करियर को नहीं बढ़ा सकीं। जायद ने माना कि उनके पिता और अभिनेता संजय खान, उनके फिल्मी चुनाव से सहमत नहीं थे। उन्होंने कहा, वो मुझसे बहुत नाराज थे। हम इस बारे में कई बार बहस करते थे।

रचना नगर में कट्टा अड़ाकर दो बदमाशों ने की थी वारदात

रचना टॉवर में लूट का मामला

पुलिस की हिरासत में आधा दर्जन संदिग्ध, जल्द हो सकता है खुलासा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित हाई सिक्योरिटी जोन कहे जाने वाले रचना टावर्स में दो बदमाशों ने कट्टा अड़ाकर 12 लाख रुपए की नगदी लूट ली थी। पुलिस ने उक्त मामले में आधा दर्जन संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने दावा किया है कि लूट की सनसनीखेज वारदात का जल्द ही खुलासा कर लिया जाएगा। पुलिस की माने तो लूटपाट को अंजाम कंपनी के पूर्व कर्मचारियों की मदद से दिया गया है। हालांकि पुलिस जांच का हवाला देते हुए कुछ भी कहने से बच रही है। वारदात बड़ी होने के कारण पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र ने आरोपियों की सुराग देने वालों को तीस हजार का इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस के अनुसार छत्तीसगढ़ की एक शराब कंपनी को भोपाल में चार शराब दुकानों का आवंटित हुई है। कंपनी ने रचना टावर्स स्थित सीनियर एमआईजी 108 में अपना आफिस बना लिया। यह फ्लैट पूर्व विधायक संतोष साहू के नाम पर है। फ्लैट में शराब कंपनी के मैनेजर भिलाई निवासी श्याम सुंदर जायसवाल (63) पिछले दो साल से रह रहे हैं। उनके साथ कलेक्शन एजेंट रवींद्र गुप्ता और 2 अन्य कर्मचारी भी रहते हैं। भोपाल में आवंटित शराब दुकानों का कलेक्शन इसी फ्लैट में लाया जाता है और उसके बाद बैंक में जमा किया जाता है। बुधवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे फ्लैट की डोरबेल बजी। उस समय श्याम सुंदर की नींद खुल चुकी थी। बाकी तीनों कर्मचारी अपने कमरे में सो रहे थे। श्याम सुंदर दरवाजे के पास पहुंचे तो बाहर से रवींद्र के नाम की आवाज आई, जिसके बाद उन्होंने दरवाजा खोल दिया।

रवींद्र से मिलने की बात कही

फ्लैट पर पहुंचे युवकों ने रवींद्र से मिलने की बात कही और श्याम सुंदर उन्होंने दोनों को अंदर बुला लिया। अंदर आते ही युवकों ने श्याम सुंदर से पीने के लिए पानी मांगा। वे पानी लेने के अंदर जाने लगे तो युवकों ने उनकी पीठ पर कट्टा अड़ा दिया। उन्होंने धमकाते हुए कहा था कि यदि शोर किया तो फायर कर देंगे। इस बीच दूसरे युवक ने अंदर सो रहे कर्मचारियों के कमरे की कुंदी बाहर से लगा दी। बदमाशों ने श्याम सुंदर से नगदी के बारे में पूछा तो उन्होंने डर के कारण बता दिया कि ऊपर वाली मंजिल पर नगदी रखी है। इसके बाद बदमाश उन्हें ऊपर लेकर पहुंचे और रकम वाला बैग निकालकर अपने साथ ले गए। घटना की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। आरोपियों के हाथ नगदी लग गई थी। बावजूद इसके आरोपी श्याम सुंदर को बाहर गेट तक लेकर आए और उन्हें धक्का देकर भाग निकले।

पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवाल

पांच दिन पहले भी शराब कंपनी के कलेक्शन एजेंट रवींद्र गुप्ता के साथ लूट की कोशिश की गई थी। उस समय आरोपी कलेक्शन एजेंट के हाथ से नोटा का बैग छीनने में असफल हुए थे। लूटपाट में नाकामयाब लुटेरों ने कलेक्शन एजेंट पर हमला भी किया था। इसकी शिकायत कलेक्शन एजेंट ने पुलिस को दी थी, लेकिन वारदात में लुटेरों के हाथ कुछ नहीं लगा और पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। अब लूट होने के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस को अनुमान है कि लूटपाट की वारदात या तो किसी पुराने कर्मचारी ने की है या फिर कर्मचारी के परिचित द्वारा वारदात को अंजाम दिया गया है। वारदात सुनियोजित करीके से हुई है। लिहाजा करीबियों पर संदेह गहरा रहा हैं। हैरानी की बात तो यह है कि पंद्रह मिनट तक लुटेरे फ्लैट के अंदर रहे और सो रहे कर्मचारियों को उनकी भनक तक लगी। पुलिस ने बताया कि परिसर में गार्ड की लापरवाही सामने आई है।

बरखेड़ी अब्दुल्ला नदी में मिला युवक का शव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित बरखेड़ी अब्दुल्ला नदी में बुधवार दोपहर अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर मर्चूरी भेज दिया है। मृतक के पास से ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। पुलिस ने मृतक का हुलिया आसपास के जिलों में और राजधानी के सभी थानों में भेज दिया है। पुलिस उसकी शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है। थाना प्रभारी रामबाबू चौधरी ने बताया कि रतन प्रजापति के भट्टे के पास गुजरी बरखेड़ी अब्दुल्ला नदी में कुछ लोगों बुधवार दोपहर शव देखकर पुलिस को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और ग्रामीणों की मदद से शव बाहर निकलवाया। मृतक की उम्र करीब 30 से 35 साल के आसपास है। वह लाल कत्थई कलर की शर्ट और नीले काले रंग का जींस पहने हुए है। मृतक की तलाशी लेने पर कोई भी दस्तावेज नहीं मिला है। पुलिस ने बताया कि शव करीब एक दो दिन पुराना होने के कारण फूल चुका था।

बहन की मृत्यु होने पर गई थी महाराष्ट्र, रिश्तेदार ने दी सूचना

महाराष्ट्र गई महिला के घर से पचास हजार की नगदी समेत जेवरात चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित पंचशील नगर में सूने मकान का ताला तोड़कर बदमाश पचास हजार रुपए की नगदी समेत जेवरात चुराकर ले गए। घटना के समय मकान में रहने वाली महिला अपनी बहन की मृत्यु होने के कारण महाराष्ट्र गई हुई थी। रिश्तेदार ने उन्हें कॉल कर घटना की जानकारी दी थी। इसके बाद वह भोपाल लौटी और थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने बताया कि गीता अहिरे पति लाखन अहिरे (50) मस्जिद के पास पंचशील नगर टीटी नगर में रहती हैं। उन्होंने अपनी बहन मनीष सपकाले के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में उन्होंने बताया कि वह घरों में खाना बनाने का काम करती है। 1 अगस्त को महाराष्ट्र में रहने वाली उनकी बहन शीतल कदम का देहांत हो गया था। वह बहन के घर

जिला नासिक, महाराष्ट्र गई थी। इस दौरान उन्होंने नाती अक्षत केदार से कहा था कि आते-जाते घर की तरफ नजर रखना। 5 अगस्त की सुबह 9 बजे अक्षत केदार ने कॉल कर बताया कि 4 अगस्त की रात 10 बजे वह घर की तरफ गया था। उस समय दरवाजे पर ताला लगा हुआ था, लेकिन सुबह पहुंचा तो दरवाजा खुला हुआ था। दरवाजे की कुंदीं भी टूटी हुई थी।

वीडियो कॉल पर दिखाया घर: गीता अहिरे ने अक्षत को कहा कि मुझे वीडिय कॉल पर घर दिखाओ। उसने वीडियो काल कर दिखाया तो पता चला कि घर का सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ है। अलमारी खुली थी। अलमारी का सामान भी बाहर पड़ा था। अलमारी के अलग-अलग खानों में रखी पचास हजार रुपए की नगदी, पुराने इस्तेमाली जेवरात नहीं थे। चोर नगदी के अलावा एक नग सोने का मंगल सूत्र, एक नग सोने की नाक की नथ, एक नग चांदी की पायल चुराकर ले गए हैं।

जयपुर एक्सप्रेस एसी कोच से महिला का पर्स चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में चोरी की वारदात थमने का नाम नहीं ले रही है। बदमाशों ने जयपुर एक्सप्रेस से महिला यात्री का पर्स चुरा लिया है। रानीकमला पति जीआरपी ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जीआरपी के अनुसार सिविल लाइन बैतूल निवासी आशी मिरानी ने शिकातय करते हुए बताया कि 4 अगस्त को वह जयपुर से बेतूल की यात्रा ट्रेन नंबर 11968 जयपुर एक्सप्रेस के कोच ए वन में बर्थ नं 11 पर कर रही थी। यात्रा के दौरान उन्होंने अपना पर्स सीट पर रख दिया। वह अपनी सीट पर सो रही थी। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर उनकी नींद खुली तो ट्रेन चलने लगी थी। उन्होंने अपना पर्स चेक किया तो पता चला कि पर्स चोरी हो चुका है। पर्स में 15 हजार रुपए की नगदी समेत महत्वपूर्ण दस्तावेज थे।

राजा भोज की प्रतिमा के पास बड़े तालाब से युवक का शव किया बरामद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

तलैया थाना क्षेत्र स्थित राज भोज की प्रतिमा में बड़े तालाब से युवक का शव बरामद किया गया। युवक की पहचान पुलिस ने कर ली है। शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया गया है। युवक ने आत्महत्या की या फिर वह हादसे का शिकार हुआ पुलिस जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार आमिर अली खान पिता आरिफ खान (35) मालीपुरा फतेहगढ़ में रहता था और प्राइवेट काम करता था। वह नशे का आदी था। उसकी नशे की लत से परिजन भी परेशान थे। दो दिन पहले ही वह नशामुक्ति केंद्र से लौटा था। इसके बाद उसकी लाश बुधवार दोपहर बड़े तालाब से बरामद की गई। मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है।

घर में घुसकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा पुलिस ने घर में घुसकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश किया गया था, वहां से जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार इस मामले की रिपोर्ट इलाके में रहने वाली युवती ने दर्ज कराई थी।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि करीब एक महीने पहले अमर पवार नामक युवक किराए का कमरा लेने के बहाने युवती के घर में घुस गया था। युवती को अकेला पाकर डरा-धमका कर उसने उसके साथ दुष्कर्म किया था। इसके साथ ही किसी को बताने पर उसने परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी। डर के कारण पीड़िता ने शिकायत नहीं की तो अमर उसे दोबारा अकेले मिलने के लिए दबाव डालने लगा। परेशान होकर पीड़िता ने थाने जाकर उसके खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी। पुलिस ने आरोपी अमर पवार (24) निवासी लालघाटी कोहेफिजा को गिरफ्तार कर लिया है।

सड़क पार कर रही छात्रा को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित कृष्णा अस्पताल के सामने मेडिकल से लौट रही छात्रा को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद वाहन का चालक रुका नहीं, बल्कि तेजी से वाहन लेकर फरार हो गया। हादसे में छात्रा को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक पर मामला दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि फिजा खान पिता मोह. शफीक खान (21) मस्जिद साहिरा खातून के सामने चिकलोद रोड जहांगीराबाद में रहती है और छात्रा है। गत 6 अगस्त की रात करीब साढ़े 11 बजे वह अपने घर से दवाई लेने के लिए कृष्णा अस्पताल के सामने मेडिकल स्टोर गई थी। मेडिकल स्टोर बंद होने के कारण वह सड़क पार कर रही थी तभी गुरूद्वारा तरफ से एक अज्ञात वाहन के चालक ने अपने वाहन को तेजी व लापरवाही पूर्वक चलाते हुए उसे साइड से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से फिजा सड़क पर गिर गई थी, जबकि टक्कर मारने वाला वाहन तेजी से वाहन चलाते हुए भाग निकला। हादसे में फिजा को दाहिने हाथ की उंगली, दाहिने पैर के घुटने व मुंह पर चोट आई है।

मेट्रो एंकर

श्यामला हिल्स पुलिस ने तीनों हत्यारों को किया गिरफ्तार

शराब पीते समय हुआ था विवाद, चाकू मारने के बाद सिर कुचलकर की हत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो। श्यामला हिल्स पुलिस ने होटल लेक व्यूह अशोका के पीछे झाड़ियों में हुई युवक की हत्या का खुलासा कर दिया है। उक्त मामले में पुलिस ने तीन हत्यारों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में हत्यारों ने बताया कि शराब के नशे में विवाद हुआ था। विवाद में मृतक मारपीट करने लगा था।

पुलिस के अनुसार सरफराज पिता फिरोज (25) कबीटपुरा, टीलाजमालपुरा में रहता था और पुताई का काम करता था। सोमवार रात 10-11 बजे के आसपास इलाके में देखा गया था। इसके बाद से ही वह लापता था। मंगलवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे श्यामला हिल्स पुलिस ने उसकी लाश होटल लेक व्यूह अशोका के पीछे बरामद की। प्रथम दृष्टया मामला हत्या से जुड़ा होने के कारण पुलिस ने पड़ताल की तो पता चला कि कबीटपुरा से वह साथी अमन खान, शेख मुजीब और अल्तमश के साथ निकला था। पुलिस ने तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि होटल लेक व्यू अशोका के पीछे झाड़ियों के किनारे वे तीनों सरफराज के साथ बैठकर शराब पार्टी कर रहे थे। इसी दौरान सरफराज ने नशे में गालीगलौज करनी शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर हाथा पाई की नौबत आ गई। सरफराज ने अमन खान को थप्पड़ मार दिया था। इस बात से नाराज अमन ने सरफराज के पेट में छुरी मार दी। छुरी लगने से वह बेसुध होकर गिर गया। आरोपियों को लगा कि यदि सरफराज की जान बच गई तो वह पुलिस को शिकायत कर देगा। लिहाजा आरोपियों ने उसके सिर पर पत्थर पटक दिया था।

चार दिन पहले ऑटो से चोरी हुआ था साउंड सिस्टम

पुलिस की पूछताछ में यह भी पता चला कि सरफराज को आखिरी बार सोमवार रात दस बजे टीला जमालपुरा इलाके में अमन साथ देखा गया था। लिहाजा पुलिस ने अमन (20) को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपने दो दोस्तों मुजीब (22) व अल्तमश उर्फ गजनी (18) के साथ मिलकर सरफराज की हत्या करना कुबूल कर लिया। अमन ने पुलिस को बताया कि तीन-चार दिन पहले उसके ऑटो से साउंड सिस्टम चोरी हो गया था। उसे संदेह था कि सिस्टम सरफराज ने चुराया है। सोमवार रात शराब की पार्टी का बहाना बनाकर वे सरफराज को बोट क्लब ले गए थे। वहां मुजीब व अल्तमश की मदद से उसने पेट में चाकू मारकर हत्या कर दी थी। उसने बताया कि कि चारों दोस्त अक्सर शराब पार्टी करने बोट क्लब की ओर जाते थे।

तिलक सिंदूर मार्ग पर तेंदुए का मूमेंट, श्रद्धालुओं को समझाइश

पुनीत मालवीय, इटारसी।

सावन का पावन महीना चल रहा है ऐसे में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु शहर से 14 किलोमीटर दूर तिलक सिंदूर मंदिर पहुंच रहे है, यह मंदिर जंगल में बीचों बीच स्थिति है। लेकिन अब जो भी श्रद्धालु तिलक सिंदूर मंदिर जाने की सोच रहा है,तो थोड़ा सावधान हो जाए क्योंकि इस मार्ग पर तेंदुए का मूवमेंट देखा जा रहा है। वन विभाग भी मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को समझाइए दे रहा है। रेंज अधिकारी महेंद्र गौर ने बताया कि मंदिर का रास्ता जंगल के बीच से गुजरता है,यहां पर अक्सर जानवरों का मूवमेंट बना रहता है।

पहले भी कई बार दिख चुके है जानवर- तिलक सिंदूर मंदिर पहुंच मार्ग पर पहले भी कई बार श्रद्धालुओ को जंगली जानवरों का दीदार हो चुका है। लेकिन इन जानवरों ने अभी तक किसी भी श्रद्धालु पर हमला नहीं किया है। इस जंगली क्षेत्र में भालू, तेंदुआ आदि खतरनाक जानवर भी है। इसलिए इस मार्ग पर रात के समय न जाए। शहर के पत्रकार मंगेश यादव सोमवार तिलक सिंदूर मंदिर जा रहे थे, बीच रास्ते में इन्हें तेंदुआ दिखाई दिया। इसके बाद इन्होंने वन विभाग को भी इसकी सूचना दी थी। वही इन्होंने अपने कैमरे में इसे कैदी किया था।

मंदिर का इतिहास

यह मंदिर विश्व का एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां भगवान भोलेनाथ को सिंदूर चढ़ाया जाता है, पुरानी मान्यताओं के अनुसार भगवान भोलेनाथ ने सिंदूर नामक एक राक्षस का वध किया था, इसके बाद वह यहां पर एक शिवलिंग के आकार में विराजमान हुए थे। इसके बाद से इस शिवलिंग को तिलक सिंदूर के नाम से जाना जाने लगा।

इनका कहना: जंगल का क्षेत्र है, यहां पर जंगली जानवरों का मूवमेंट रहता है। रात में मोटरसाइकिल से मंदिर ना जाएं, श्रद्धालुओं को समझाइए दी जा रही है। **महेन्द्र गौर**, रेंज अधिकारी

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022